विचार

अगर आप किसी को दिखाने के लिए पढ़ रहे है, तो आप अपने आप को धोखा दे रहे है...

दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

भारत टाइम्स

www.bharattimesnews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

D.Edition.....

Reg.No.RJ26D00120077

bharattimesnews01@gmail.com

पेज-2

वर्ष- 2 | अंक- 129 | पेज-8 | दिल्ली, रविवार 30 जून 2024 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

टी20 विश्व कप

रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर लहरा दिया तिरंगा

भारत बना विश्व विजेता

पावरप्ले में भारत के 3 बड़े बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए

पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिये 54 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। अक्षर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए। बीच के ओवरों में कोहली धीमे पड़े और अपना अर्धशतक उन्होंने 48 गेंदों में पूरा किया।

ब्रिजटाउन: विजय मुकुट हासिल हुआ संघर्षों से गुजरकर, आज जश्न का दिन है। रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर झंडा गाड़ दिया। फहरा दिया तिरंगा। 17 साल बाद भारत टी20 विश्व कप में विश्व विजेता बना है। आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक चले रोमांचक की पराकाष्ठा वाले मुकाबले में टीम इंडिया ने वो कर दिखाया, जिसका सपना 140 करोड़ भारतीयों ने दखा था। भारतीय टीम 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी। उसके बाद से न जाने किसकी नजर लग गई थी, लेकिन इस बार 2023 में टूटे दिलों को फिर जोड़ दिया। वो करिश्मा कर दिया, जिसकी जरूरत थी। जैसे ही भारत विश्व विजेता बना यहं भारत में आकाश आतिशबाजियों से रंग गया।

बैटिंग पिच 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरूआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। उसे हेंड्रिक्स के रूप में पहला झटका लगा, जिसे जसप्रीत बुमराह ने अपने अंदाज में 4 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद कप्तान एडेन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने पंत के हाथों 4 रनों के निजी स्कोर पर लपकवाया। हालांकि, यहां से स्टब्स ने 21 गेंदों में 31 रन की पारी खेलकर टीम को 70 रनों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 3 चौके और एक छक्का मारा।

लंबे समय से मैदान पर अड़े क्विंटन डि कॉक को 39 रनों के निजी स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने चलता किया, लेकिन इसके बाद जो तूफान आया तो उसे रोक पाना मुश्किल हो गया। हेनरिक्स क्लासेन ने अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को जमकर निशाना बनाया और सिर्फ 23 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के उड़ाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी कर डाली। हालांकि, 17वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने क्लासेन को आउट कराते हुए मैच में जान डाल दी। इसके बाद अर्शदीप ने कमाल किया तो आखिरी ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर सूर्या ने डेविड मिलर का करिश्माई कैच लपका, जो शायद क्रिकेट इतिहास का सबसे मुश्किल कैच है। उपकप्तान हार्दिक ने आखिरी ओवरों में 16 रन बचाते हुए भारत को जीत दिला दी।

कोहली का टी-20 से संन्यास:

कहा- ये मेरा आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच था

नई दिल्ली। भारत को वर्ल्ड कप जिताने के बाद विराट कोहली ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया। वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच बने, उन्होंने 76 रन की अहम पारी खेली। मैच के बाद विराट ने कहा, 'यह मेरा आखिरी टी-20 मैच था, इसलिए उसी तरह खेला। अब नई जनरेशन बागडोर संभाले।' विराट ने साउथ अफ्रीका के फाइनल में हीरो जैसी भूमिका निभाई। इससे पहले वर्ल्ड कप के 7 मैचों में उनका टोटल स्कोर 75 रन था। अकेले फाइनल में उन्होंने 76 रन की पारी खेल डाली।

कोहली की मैच विनिंग परफॉर्मेंस

वनडे वर्ल्ड कप फाइनल 2011 :

मुंबई के वानखेड़े में श्रीलंका के खिलाफ इंडिया 275 रन का पीछा कर रही थी। सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग आउट हो चुके थे। सिर्फ 31 रन बने थे। पार्टनरशिप चाहिए थी। कोहली ने सिर्फ 35 रन की पारी खेली, लेकिन गंभीर के साथ मिलकर 83 रन की साझेदारी की। रन चेज में खराब शुरूआत से इंडिया को निकाल लिया।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल 2013

इंग्लैंड-इंडिया का ये 50-50 ओवर का मैच बारिश के चलते 20-20 ओवर का हो गया था। इंडियन टीम 7 विकेट पर सिर्फ 129 रन बनाए। इसमें कोहली का योगदान 43 रन का था। दोनों टीमों की तरफ से हाईएस्ट स्कोरर कोहली थे। भारत यह मैच जीत गया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2014 का सेमीफाइनल

ये सेमीफाइनल इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया। साउथ अफ्रीका ने इंडिया को 173 रन का टोटल दिया था। विराट कोहली ने 72 रन की नाबाद पारी खेली। 19वें में टारगेट चेज कर लिया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2016

: भारत सुपर 10 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से खेल रही थी। सेमीफाइनल पहुंचने के लिए इंडिया को जीत चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया ने 161 का टारगेट दिया था। भारत ने 14 ओवर में 94 रन बनाए थे। 6 ओवर में इंडिया का स्कोर 23 रन था। 138 जीत के लिए चाहिए थे और कोहली बैटिंग पर आए। शुरू में समय लिया, लेकिन बाद में तेजी से बल्लेबाजी की। 9 चौके और 2 सिक्स लगाए। 82 रन की नाबाद पारी खेलकर जीत दिला दी।

बरसाना में पंडित प्रदीप मिश्रा से बदसलूकी: लोगों ने की धक्का-मुक्की, कहा- इनसे कान पकड़वाओ

मथुरा। सीहोर वाले प्रसिद्द कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा को ब्रज वासियों की नाराजगी के बाद आखिरकार बरसाना पहुंचकर राधा रानी से मांफी मांगनी पड़ी। उन्होंने श्री जी के मंदिर पहुंचकर राधा रानी के सामने नाक रगड़कर माफी मांगी और अपने बयान को लेकर ब्रज के लोगों ने भी माफी मांगी। यह मामला खत्म होने के बाद अब एक नया वीडियो सामने आ रहा है जिसमें उनसे बदसलूकी की जा रही है।

दरअसल पंडित प्रदीप मिश्रा के खिलाफ महापंचायत बुलाई गई थी। साधु-संतों और गोस्वामी ने पंचायत कर मांग की थी कि प्रदीप मिश्रा राधारानी मंदिर आकर नाक रगड़कर माफी मांगे। बढ़ते विरोध को देखते हुए आज जैसे ही वे ब्रज वासियों के बीच पहुंचे, लोगों ने उनसे बदसलूकी करनी शुरू कर दी। इस बीच भीड़ में मौजूद कुछ लोग यह कहते हुए भी सुने गए कान पकड़वाओ कान।

हालांकि कड़ी सुरक्षा होने की वजह से सुरक्षाकर्मी उन्हें मंदिर तक ले गए जहां कथावाचक ने राधा रानी के सामने नाक रगड़कर माफी मांगी। इसके बाद उन्होंने ब्रजवासियों से भी माफी मांगी और वहां से चले गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर मेरी वाणी और मेरे शब्दों से कोई दुःख पहुंचा है तो वे माफी मांगते हैं।

दरअसल, पंडित प्रदीप मिश्रा ने बीते दिनों खंडवा के ओंकारेश्वर में आयोजित कथा में कहा था कि ह्लराधा जी के पति का नाम अनय घोष, उनकी सास का नाम जटिला और ननद का नाम कुटिला था। राधा जी का विवाह छाता में हुआ था। राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं। जिससे प्रेमानंद जी महाराज समेत पूरे मथुरावासियों में आक्रोश व्याप्त हो गया था।

हरिद्वार में उफान पर गंगा, बह गई दर्जनों गाड़ियां

हरिद्वार। उत्तराखंड में 27 जून को ही मानसून पहुंच गया और अब बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। हरिद्वार में गंगा नदी अपने उफान पर पहुंच गई और उसमें दर्जन भर गाड़ियां बह गई। प्रशासन ने अब तक आठ गाड़ियों को नदी से निकाला है। उत्तराखंड में 4 जुलाई तक के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों में उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले में भारी बारिश हो सकती है। शनिवार दोपहर हरिद्वार में हुई बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया।गंगा नदी में बह रहे गाड़ियों को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ भी इक्कठा हो गई। देहरादून मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि 27 जून को ही उत्तराखंड में मानसून प्रवेश कर चुका है और पूरे प्रदेश को कवर कर चुका है। उन्होंने कहा कि इस पूरे हफ्ते उत्तराखंड के अलग-अलग क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मानसून में नदियों के जलस्तर को देखते हुए एसडीआरएफ ने लोगों से अपील की है कि मानसून के दौरान वे अपने वाहनों को नदी, घाट, नहर, बाढ़ प्रभावित, एवं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के आसपास पार्क न करें। एसडीआरएफ के अनुसार वाहनों को किसी सुरक्षित स्थान पर ही पार्क करें। मानसून के दौरान नदी, नालों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है, इसीलिए मानसून सीजन के दौरान नदी, नहर, और नालों के आसपास सतर्कता बरतें।

राजकोट एयरपोर्ट पर हादसा : भारी बारिश के बीच गुजरात के राजकोट हवाई अड्डे के बाहर यात्री पिकअप और ड्रॉप क्षेत्र में एक शेड गिर गया। हालांकि अच्छी बात ये रही कि इसमें किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। जमा हुए पानी को निकालने के उद्देश्य से रखरखाव कार्य के दौरान शेड टूट गई।

BHARAT TIMES NEWS

आवेदन की आज अन्तिम तिथि

उद्यानिकी योजनाओं में किसान 30 जुन 2024 तक ऑनलाइन आवेदन करने पर होगे लाभान्वित : डा.भाकर

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा। सोहनलाल वैष्णव।

किसानों के लिए उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित होने के लिए 30 जुन 2024 तक राजकिसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने पर उद्यानिकी की विभिन्न प्रकार की योजनाओं में लाभान्वित हो सकते है। संयुक्त निदेशक उद्यान खंड जोधपुर डा.जीवनराम भाकर ने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में देय लाभ के लिए 30 जुन 2024 तक राजकिसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने पर विभिन्न प्रकार की उद्यानिकी गतिविधियों में नियमानुसार लाभान्वित किया जायेगा। इस तिथि से पहले या गत वर्ष में भी ऑनलाइन पेंडिंग आवेदन को समिल्लित किया जायेगा। जिले के लक्ष्य के डेढ़ गुणा से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर रेण्डमाईजेशन/लॉटरी के आधार पर स्वीकृतियां प्रदान की जायेगी। लक्ष्य से डेढ़ गुणा तक आवेदन प्राप्त होने पर पहले आओं पहलें पाओं के तर्ज पर स्वीकृति प्रदान की जायेगी।किसान की श्रेणी अनुसार अनुदान का लाभ मिलेगा। किसान लाभान्वित होने के लिए आज ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। सहायक निदेशक उद्यान जोधपुर रूपेश लवा ने बताया कि उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं में कम लागत के प्याज भंडारण, नवीन फलदार बगीचे, शेडनेट व पॉलीहाऊस, लो-टनल, मल्चिंग, सामुदायिक जल संग्रहण ढांचा इत्यादि गतिविधियों में अधिक से अधिक राजकिसान साथी पोर्टल पर आवेदन कर लाभान्वित हो सकते है। वही सहायक कृषि अधिकारी रफीक अहमद कुरैशी ने इन योजनाओं में लाभान्वित के लिए खेत में किसानों को ऑनलाइन आवेदन को लेकर योजनाओं की विस्तार से जानकारी साझा की।

म्यूज़िक मेलोडी सीजन 8 में मशहूर अंतर्राष्ट्रीय सारंगी वादक व भारतीय शास्त्रीय गायक उस्ताद साबिर खान की प्रस्तुति

- चित्तौड़गढ़ के कलाकार अमित चेचानी भी बिखेरेंगे सुरों का जादू
- म्यूजिकल सफर इंडिया के तत्वावधान में देश की गुलाबी नगरी जयपुर में हो रहा है आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

जयपुर। संगीत के क्षेत्र में जानी मानी राष्ट्रीय संस्था म्यूजिकल सफर इंडिया के तत्वावधान में देश की गुलाबी नगरी जयपुर शहर में एक संगीतमयी कार्यक्रम म्यूजिक मेलोडी सीजन 8 का आयोजन 29 जून शनिवार को किया जा रहा है। म्यूज़िकल सफर इंडिया के प्रोग्राम हेड विजेंद्र पाठक व संस्थापक सपना पाठक ने बताया कि इस कार्यक्रम में मशहूर अंतर्राष्ट्रीय सारंगी वादक व भारतीय शास्त्रीय गायक उस्ताद साबिर खान शामिल होंगे जिन्होंने कई देशों में अपनी प्रस्तुतियां दी है और भारत का मान बढ़ाया है। साथ इस अवसर पर जयपुर के ख्याति प्राप्त संगीतज्ञों के अतिरिक्त अन्य चित्तौड़गढ़ के कलाकार अमित चेचानी भी कार्यक्रम में अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य धीरे धीरे विलुप्त हो रहे संगीत के प्राचीन वाद्य यंत्रों को नयी पीढ़ी से परिचित कराना साथ ही उन्हें इन्हें सीखने और अपनाने के लिए प्रेरित करना और ये बताना कि भारतीय शास्त्रीय संगीत और ये वाद्य यंत्र हमारे संगीत का आधार है, इस कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से आए लगभग 40 कलाकार भाग ले रहे है।

बिड़ला व्हाइट में सुपोषण शिवर आयोजित 60 महिलाओं को पोष्टिक किट दिए

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा। सोहनलाल वैष्णव।

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की इकाई बिड़ला व्हाइट ने खारिया खंगार स्थित आदित्य बिरला हेल्थ सेंटर में 29 जून 2024 को सुपोषण शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयंत्र प्रमुख आलोक निगम, सुरभि महिला मंडल की अध्यक्ष कल्पना निगम, एफएच-एचआर के पंकज पौदार, डा. राजेश सिंह एफएच आर एंड डी, अधिशासी सदस्य स्मिता पौदार, सुरभि महिला मंडल की सदस्य शोभा नायर, मंजू कुर्रे, गांधी, महाप्रबंधक सीएसआर एस. चंदा और सीएसआर विभाग के ग्रामीण विकास अधिकारी रामकुमार सिंह शेखावत सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शिविर के दौरान डॉ. रविंद्र कुमार और डॉ. रीना सांखला ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार और गर्भावस्था के दौरान ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी। इस शिविर में ग्राम खारिया खंगार

और देवनगर से लगभग साठ गर्भवती महिलाओं को पोषण किट दी गई। इस किट में गुड़, चना, किस्मिश, काजू, अरहर दाल, बोर्नविटा, मल्टी ग्रेन दलिया और छुहारा समिलित कर के एक टोकरी में गर्भवाती महिलाओं को वितरण किया गया। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को उनके ट्राइमेस्टर अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। संयंत्र प्रमुख आलोक निगम ने अपने संबोधन में गर्भवती महिलाओं को दिए गए पोषण किट के अनुसार खानपान करने का महत्व बताया जिससे जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ रहें। सुरभि महिला मंडल की अध्यक्ष कल्पना निगम ने सही खानपान, साफ-सफाई, नियमित स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का सेवन पर जोर दिया। अंत में डा. रीना द्वारा सभी उपस्थित गर्भवती महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवम एएनएम को धन्यवाद दिया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर आज आएगें जालोर

♦भारत टाइम्स♦

जालोर(सतीश सुंदेशा)।

विभिन्न संगठनों एवं भाजपा के साथ सरकारी अधिकारियों की लेगें बैठक

राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर आज जालोर प्रवास पर रहेगें। जिसमें वे विभिन्न संगठनों की बैठक के साथ-साथ जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों, भाजपा कार्यकताओं की बैठकें लेगें।भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव बोरली ने बताया कि प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को सुबह जालौर पहुंचेंगे और जालोर स्थित सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेगें एवं चामुड़ा गार्डन में घुमंतू जाति के परिवारों से संवाद करेगें।उन्होनें बताया की दोपहर में जालोर शहर के विद्यालयों द्वारा आयोजित एक पेड़ देश के नाम - पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करेगें और विजय पैराडाइज में जिले के मेघावी छात्र अभिनंदन समारोह में शामिल होगें। शाम को विभिन्न संगठनों महाविद्यालय, कोचिंग संचालक, भारत विकास परिषद, पेट्रोल पंप संचालक, गैस एजेंसी संचालक, व्यापार महासंघ, अनाज मंडी, व्यापार संघ, सब्जी मंडी व्यापार संघ, किसान संघ, गौशाला संचालक इत्यादि के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत कर वृक्षारोपण की चर्चा करेंगे और जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेगें।

भाटी के जिला क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बनने पर अभिनंदन किया

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा। सोहनलाल वैष्णव।

जोधपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के त्रिभुवन सिंह भाटी के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर मारवाड़ राजपूत सभा में शुक्रवार को अभिनंदन किया गया।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन के त्रिभुवन सिंह भाटी के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर में अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा सहित कई पदाधिकारियों ने भाटी को साफा पहनाकर कर बधाई देते हुए अभिनंदन किया। जिसमें केवी सिंह चांदरख सचिव मारवाड़ राजपूत सभा, गोपालसिंह भलासरिया गजसिंह राजपूत शिक्षण संस्थान ओसियां, शिक्षक नेता शंभूसिंह मेड़तिया, भवानीसिंह नरुका, दिनेश सिंह बाबरा, श्यामसिंह सजाड़ा, अजीतसिंह शेखावत, सज्जनसिंह इन्दा, श्रवनसिंह भाटी, शक्तिसिंह भाटी ओसियां, पूर्व उपसरपंच चांदसिंह नरूका, सोवनिया व राजेंद्र सिंह नरूका सहित कई स्वजाति बंधु उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष त्रिभुवनसिंह भाटी ने कहा कि क्रिकेट को लेकर जो भी जिला स्तर पर समस्या आएगी उनको हर संभव प्रयास करके दूर किया जाएगा। युवाओं को क्रिकेट में अधिक से अधिक मौका दिया जाएगा। त्रिभुवन सिंह भाटी ने मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा सहित उनकी पूरी टीम को अभिनंदन करने पर आभार व्यक्त किया।

विद्यालय भवन एवं खेल मैदान की जमीन के लिए संघर्ष जारी रहेगा : प्रधानाचार्य संगीता गौड़

♦भारत टाइम्स♦

अलवर /राजेश गुप्ता

जीतेंगे हम ये वादा करो,
कोशिश हमेशा ज्यादा करो।।
किस्मत भी रूठे पर हिम्मत ना टूटे
मजबूत इतना इरादा करो

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बालेटा एक ऐसा सरकारी विद्यालय है जिसमे मात्र तीन कमरों मे सीनियर स्तर की कक्षाओ का अध्यापन कार्य चल रहा है। दो वर्ष पूर्व इस विद्यालय को क्रमोन्नत किया गया था। क्रमोन्नत होने के बाद इस विद्यालय मे प्रधानाचार्य का पदभार श्रीमती संगीता गौड़ ने ग्रहण किया। जब श्रीमती संगीता गौड़ ने इस विद्यालय मे कार्यभार ग्रहण किया तो वो इस विद्यालय की स्थिति को देखकर बहुत अचंभित हो गयी। विद्यालय मे मात्र तीन कमरे,टूटा फूटा चौक,वो भी बहुत छोटा। तब प्रधानाचार्य ने संकल्प लिया की इस विद्यालय के लिए कुछ ना कुछ कर के दिखाना है। अपने इसी संकल्प के लिए उन्होंने विद्यालय भवन एवं खेल मैदान के ;८ी जमीन की व्यवस्था मे लग गयी। क्योंकि विद्यालय मे नामांकन अधिक था और तीन कमरों मे इतने बच्चों की पढ़ाई हो पाना बहुत मुश्किल हो रहा था। इस से बच्चों की पढ़ाई पर भी बुरा असर हो रहा था। सबसे पहले उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों एवं भामाशाओ से मिलकर इस समस्या के बारे मे अवगत कराया लेकिन कोई बात नहीं बनी। तब श्रीमती गौड़ ने इस समस्या को पूर्व में जिला कलेक्टर जीतेन्द्र सोनी को बताया। उन्होंने श्रीमती गौड़ को भरोसा दिलाया की आपके विद्यालय के नए भवन की जमीन हेतु हम प्रयास करेंगे लेकिन कुछ दिनों बाद उनका वहां से तबादला हो गया। उसके बाद उनकी जगह पर पुखराज सेन ने अलवर

कलेक्टर का पदभार ग्रहण किया। श्रीमती संगीता गौड़ माननीय कलेक्टर महोदय पुखराज जी से मिली और उन्हें विद्यालय मे हो रही असुविधाओ के बारे मे बताया। जिला कलेक्टर ने श्रीमती गौड़ के द्वारा किये जा रहे इस प्रयास की बहुत सराहना की। जिला कलेक्टर ने उनकी इस समस्या के बारे मे सम्बंधित अधिकारियो से बात कर रिपोर्ट बनाने को कहा। लेकिन कहते है ना की एक बार मे सफलता कहा मिलती है और श्रीमती गौड़ को कुछ उम्मीद की किरण नजर आई उस से पहले ही पुखराज जी का तबादला हो गया। फिर भी प्रधानाचार्य जी ने हिम्मत नहीं हारी और विद्यालय भवन की जमीन के प्रयास करती रही। इस सम्बन्ध मे उन्होंने बहुत बार बड़े अधिकारियो एवं जनप्रतिनिधि को ज्ञापन भी दिया। अभी कुछ समय पहले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जी अलवर आये तो श्रीमती गौड़ ने उन्हें भी पत्र दिया तो शिक्षा मंत्री ने वहां मौजूद कैबिनेट मंत्री संजय शर्मा को इस समस्या के निवारण करने के लिए कहा। दो दिन बाद श्रीमती गौड़ दुबारा संजय शर्मा जी से मिली और विद्यालय मे बच्चों की पढ़ाई मे हो रहे नुकसान के बारे मे बताया। उसका नतीजा ये निकला की जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता के पास जब ये केस गया तो उन्होंने इसे स्पेशल केस मानते हुए इस पर त्वरित रिपोर्ट बना कर भेजनें को कहा। श्रीमती गौड़ ने जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता से मिलकर गांव मे उपलब्ध जमीन के बारे मे बताया लेकिन वो जमीन कृषि विभाग के अधीन है। इस पर श्रीमती गौड़ कृषि विभाग के जॉइंट डायरेक्टर से मिली और उन्हें बताया की अगर आप आपके विभाग की जमीन हमें विद्यालय भवन हेतु दे सकते तो बच्चियों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध हो सकती है। इस बात से सहमत हो कर जॉइंट डायरेक्टर ने राजगढ़ कार्यालय से रिपोर्ट मांगी लेकिन कोई बात नहीं बनी।उनका कहना था कि यदि हमें माननीय कलेक्टर साहब हमे खाद बीज बांटने के लिए ओर किसानों की समस्या सुनने के लिए हमे कोई खाली भवन उपलब्ध करवा दे तो हम ये जमीन रा.बा.उच्च. मा.विद्यालय बालेटा के भवन एवम खेल मैदान के लिए देने हेतु तैयार है।

कमाई ने किया तीन बेटियों का कन्यादान

कई संस्थाओं ने बेटियों को लगाई मेहंदी और चरण छूए

♦भारत टाइम्स♦

अलवर /राजेश गुप्ता

नेक कमाई फाउंडेशन और डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट के संयुकत तत्वावधान में आयोजित कन्यादान कार्यक्रम में तीन बेसहारा बेटियों का कन्यादान किया गया। इस दृश्य को देखकर यहां आए लोग भाव-विभोर हो गए।

रिवाज रिसोर्टस में आयोजित कन्यादान समारोह में तीन बेटियों का काफी संखया में आई महिलाएं और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बेटियों के चरण धोए और महिलाओं ने मेहंदी लगाई। इस अवसर पर सामूहिक नृत्य और दिव्यांशी कालरा व वीरा सिंह का एकल नृत्य हुआ।

कार्यक्रम के मुखय अतिथि समाजसेवी श्रीकिशन गुप्ता थे जबकि अध्यक्षता एनईबी थाना प्रभारी दिनेश मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि सीए सुशील बंसल और पुरुषार्थी समिति के जिलाध्यक्ष प्रेम गांधी थे।

कार्यक्रम में मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने अतिथियों का स्वागत किया। नेक कमाई के संरक्षक दौलत राम हजरती ने संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मंच संचालन युवा समाजसेवी सौरभ कालरा ने किया। नेक कमाई की ओर से गुरप्रीत सिंह पवित्र, परमजीत सिंह गोगिया,

तारेश जोरवाल, सोनिका अरोड़ा, देवाश्री संस्था की अध्यक्ष शिवानी शर्मा, पायल सैनी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रयास वीरा इंटरनेशनल संस्था की अध्यक्ष लता शर्मा सहित रेणू भायना, देवाश्रय संस्था से शीला, सुनेश चौहान, याशिका अरोड़ा, दिव्यांशी कालरा, , उषा और रजनी सहित गायत्री परिवार से प्रतिभा सिंह ने कन्यादान किया।

दो साल में 215 कन्यादान-नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से 2 वर्ष में 215 बेटियों का कन्यादान किया गया है। कार्यक्रम में मुखय अतिथि समाजसेवी श्रीकिशन गुप्ता ने कहा कि नेक कमाई जैसी संस्था सरकार के कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे में समाज का यह कर्तव्य है कि इनका सहयोग करें। कार्यक्रम में थाना प्रभारी दिनेश मीणा ने कहा कि अलवर में नेक कमाई फाउंडेशन का यह कन्यादान कार्यक्रम पूरे प्रदेश में जरूरतमंब बेटियों का विवाह समाज के योगदान से करने की अलख जगा रहा है जिससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस कार्यक्रम में डा. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट, खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट ओर गुलाब देवी रूपचंद बंसल ट्रस्ट का सहयोग रहा। संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने बताया कि नेक कमाई इसी तरह जरूरतमंद बेटियों का कन्यादान करता रहेगा। इन बेटियों का सर्वे तारेश जोरवाल ने किया था।

घनश्यामसिंह मीणा बने मारवाड़ जंक्शन के चीफ टिकट इंस्पेक्टर मीणा की नियुक्ति पर छाई हर्ष की लहर

♦भारत टाइम्स♦

जोजावर दिनेश प्रजापत

मारवाड़ जंक्शन शहर के प्रतिष्ठित नागरिक चिमनसिंह मीणा (पूर्व डीसीटीआई) के सुपुत्र घनश्याम सिंह मीणा की नियुक्ति चीफ टिकट इंस्पेक्टर के पद पर मारवाड़ जंक्शन में होने पर मारवाड़ क्षेत्र में हर्ष की लहर छा गई है। घनश्यामसिंह मीणा द्वारा पूर्व में रणकपुर एक्सप्रेस, जम्मूतवी एक्सप्रेस व अनेक रेलगाड़ियों में प्रथम श्रेणी कंडक्टर के रूप में सफल सेवाएं दी जा चुकी हैं। जनहित सेवा के रूप में भी घनश्यामसिंह मीणा को मारवाड़ जंक्शन उपखंड प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। मीणा के पिता चिमनसिंह मीणा भी इसी पद पर मारवाड़ जंक्शन में रहते हुए पदोन्नत होकर डीसीटीआई पद से सम्मान पूर्वक अजमेर से सेवानिवृत्त चुके हैं। घनश्यामसिंह मीणा को अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रबुद्धजन नागरिकों व व्यापारियों व अन्य ने बधाई दी है।

मानवाधिकार परिषद - भारत रायपुर ब्लाक अध्यक्ष गनपत सिंह ने तहसीलदार को सोपा ज्ञापन

♦भारत टाइम्स♦

बर - ब्यावर
कैलाश गुर्जर

गौचर भूमि में कैर और खेजड़ी के पेड़ नहीं हटाने को लेकर मानवाधिकार परिषद - भारत रायपुर ब्लाक अध्यक्ष गनपत सिंह एवँ गांवो लोगो ने तहसीलदार को ज्ञापन सोपा ।उन्होंने

तहसीलदार को बताया की ग्राम पंचायत मोहरा कलां कि जो गौचर भूमि में जो भी कैर और खेजड़ी के पेड़ है जो इनको नहीं तो हटाया जाये और नहीं काटा जाये क्योकि जंगली जानवरों के लिए भरण पोषण और छाया के लिए जरूरी है इस लिए इस गौचर भूमि में इन पेड पोधो को नहीं काटा जाये क्योकि इन पेड़-पाधों में नील गाय और जंगली जानवरों का निवास होता है और शर्दी और वर्षा से इनको बचाते है 25 बीघा गौचर भूमि जो वन विभाग को सुप्रीत की गई उस को छोड़ कर शेष अन्य गौचर भूमि में इन पेड़ पोधों को नहीं हटाया जाये ग्राम वासियों का इसके प्रति आक्रोश है। आज के बाद कैर और खेजड़ी को हटाने के लिए गौचर भूमि में जे.सी.बी. नहीं चालायी जाये ।

महिला का आरोप,सरकारी अस्पताल मे 13 हजार रुपए लेकर डॉक्टर ने किया ऑपरेशन।

♦भारत टाइम्स♦

सोजत / जीवाराम चौधरी

सोजत सिटी के मुख्य राजकीय चिकित्सालय मे कार्यरत डॉक्टर पर एक महिला ने रुपए लेकर ऑपरेशन करने का आरोप लगाया है।

जानकारी अनुसार दाऊ कवंर पत्नि मगूलसिंह रावणा राजपूत निवासी चण्डावल ने मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए पत्र मे बताया कि उसकी 74 वर्षीय माता कौशल्यादेवी पत्नि मदनसिंह के पैर मे चोट लग गई थी जिसके उपचार हेतु सोजत स्थित राजकीय चिकित्सालय मे कार्यरत चिकित्सक सुरेश चौधरी से जांच करवाई तो उन्होने पैर का ऑपरेशन करवाने हेतु कहा। जिस पर मरीज को 28 जून को अस्पताल मे भर्ती करवाया और 29 जून को पैर के ऑपरेशन हेतु ऑपरेशन थियेटर मे ले जाया गया।जंहा पर डॉक्टर सुरेश चौधरी ने ऑपरेशन करने हेतु 13 हजार रुपए की मांग की और नही देने पर ऑपरेशन करने से मना कर दिया।

डॉक्टर द्वारा रुपए देने के दबाव पर महिला ने सोजत सिटी निवासी रिश्तेदार महिपाल सिंह से उधार 13 हजार रुपए मगंवाकर डॉक्टर द्वारा बताये अस्पताल परिसर मे स्थित मेडिकल स्टोर के संचालक को रुपए दिए और मेडिकल संचालक द्वारा दूरभाष पर रुपए मिलने की बात कहने पर डॉक्टर सुरेश चौधरी ने उनकी मां के पैर का ऑपरेशन किया। मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ ही चिकित्सा मंत्री,संभागीय आयुक्त,जिला कलक्टर,एसीबी निदेशक व उपखंड अधिकारी को प्रार्थना पत्र की प्रति भेजते हुए महिला ने चिकित्सक के विरूद्ध रुपए लेकर ईलाज करने पर कानूनी कार्यवाही करने व चिकित्सक को यंहा से हटाने की मांग की।

जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने उप कारागृह गंगापुर सिटी का किया औचक निरीक्षण

♦भारत टाइम्स♦

यादराम वर्मा गंगापुर सिटी

गंगापुर सिटी, 29 जून 2024 जिला कलक्टर डॉ. गौरव सैनी एवं पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने शुक्रवार को जिला कारागृह का औचक निरीक्षण निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बंदियों को व्यवहार सही रखने, अवांछनीय गतिविधियों में संलिप्त नहीं होने एवं आपत्तिजनक सामग्री किसी भी प्रकार से जेल में नहीं मंगाने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जेल स्टाफ को सजग रहकर जेल में बंदियों पर निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जेल की 4 बैरक, शौचालयों एवं स्टोर आदि की सघन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। वर्तमान में जिला कारागृह में कुल 75 बन्दी हैं।

पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग से लोगों को जागरूक करने गुजरात की बेटी साइकिल से निकली लंदन

♦भारत टाइम्स♦

बर ब्यावर
कैलाश गुर्जर

बर पधारने पर पूर्व प्रतिपक्ष नेता कान सिंह इंदा ने किया गुजरात की बेटी का अभिनंदन

अब ग्लोबल वार्मिंग अवेयरनेस के लिए साइकिल से 15 हजार ङट की यात्रा पर निकलीं निशा

गुजरात के वड़ोदरा की रहने वाली निशा (30) दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से सावधान करने साइकिल से निकली हैं। वड़ोदरा (गुजरात) से उनकी यात्रा 16 देशों से होते हुए लंदन पहुंचेगी। गुजरात से निशा बर ब्यावर से होकर गुजरीं तो उन्होंने भारत टाइम्स न्यूज रिपोर्टर कैलाश गुर्जर से खास बातचीत की।।

इस दौरान बर पधारने पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य कान सिंह इंदा के नेतृत्व में गुजरात की बेटी का निशा का जोरदार स्वागत किया गया कान सिंह इंदा ने निशा की इस बड़ी मुहिम की सराहना की ओर बताया की निशा ने जो पर्यावरण को बचाने के लिए लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का जो लक्ष्य रखा है वो बहुत अच्छा है। इससे ग्लोबल वार्मिंग में कमी आयेगी ओर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी । स्वागत के दौरान बर में बालाजी ट्रस्ट अध्यक्ष ताराचंद जी शर्मा , युवा मोर्चा अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मंडल बर पुष्पेंद्र सिंह , मनजीत सिंह एडवोकेट, राजू भाई, श्याम जी बागड़ी शंकर लाल नायक, जावेद कुरैशी, घनश्याम सिसोदिया, मदन भाटी लालचंद साहू , राजेंद्र सिंह उदावत आदि उपस्थित रहे ।

निशा ने फतह किया है माउंट एवरेस्ट

निशा ने माउंट एवरेस्ट फतेह किया है। इस दौरान उनके दोनों हाथों की अंगुलियां खराब हो गईं, जिन्हें बाद में काटना पड़ा। परिवार ने शादी कर घर बसाने की सलाह दी लेकिन वे ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाना चाहती थीं।

इसी उद्देश्य से निशा 16 देशों की साइकिल यात्रा पर निकली हैं। गुजरात से वड़ोदरा तक जो करीब 15 हजार किलोमीटर है और जिसे पूरा करने में उन्हें करीब 6 महीने का समय लगेगा। उनकी यह यात्रा 16 देशों से होकर गुजरेगी।

रोजाना 100 से 150 ङट की यात्रा कर रही निशा

निशा के कोच निलेश बारोट ने बताया- निशा रोजाना 100 से 150 ङट की साइकलिंग कर रही हैं। वडोदरा से लंदन तक पहुंचने में 180 से 200 दिन लगेंगे। यह यात्रा नेपाल, चीन, कजाकिस्तान, रूस, लुथेनिया, पोलैंड, चेक रिपब्लिक, जर्मनी, आस्ट्रिया, नीदरलैंड, बेल्जियम, फ्रांस सहित 16 देशों से होकर गुजरेगी और लंदन पहुंचेगी। पूरे रास्ते में गर्मी, सर्दी, बर्फबारी से होकर गुजरना पड़ेगा। इसलिए सारी तैयारी कर रखी है। निशा का फूड प्लान बना रखा है। ताकि 15 हजार किलोमीटर की यात्रा के दौरान उसे किसी तरह की परेशानी न आए।

निशा की उपलब्धियां

निशा ने मनाली-लेह-लद्दाख के लिए जून 2021 में 12 दिन की साइकिल यात्रा की थी। इस दौरान कोविड वैक्सीन लगाने के लिए जागरूक किया था। उनकी उपलब्धियों में 24 घंटे में 2 बार केदारकांठा पर्वत चढ़ना शामिल है। वे एक बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई कर चुकी हैं।

सिंघानिया स्कूल में किया सुरक्षा ड्रिल का आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

120 एनएसजी कमांडो दस्ते ने वास्तविक जीवन के परिदृश्य को दोहराया

ठाणे। श्रीमती सुलोचनादेवी सिंघानिया स्कूल ने ठाणे स्थित अपने परिसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा संचालित एक सुरक्षा ड्रिल का आयोजन किया। यह व्यापक ड्रिल राइफल, एम्बुलेंस, स्नाइपर टीम, निगरानी टीम, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक टीम से लैस 120 एनएसजी कमांडो दस्ते ने किया, जिसमें वास्तविक जीवन के परिदृश्य को दोहराया गया। ड्रिल के सफल समापन के बाद, स्कूल के एनसीसी कैडेटों को एनएसजी कमांडो से सुरक्षा के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

डॉ. रेवती श्रीनिवासन, प्रिंसिपल, श्रीमती सुलोचनादेवी सिंघानिया स्कूल, ठाणे ने कहा,ऽहमें राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के लिए इस तरह के महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल की मेजबानी का सम्मान मिला है। इस ड्रिल ने संभावित खतरों के प्रति काफी हद तक हमारी जागरूकता बढ़ाई। विशेष रूप से हमारे एनसीसी छात्रों ने एनएसजी कर्मियों के साथ बातचीत कर बेशकीमती सबक हासिल किये।

इस मॉक ड्रिल के सफल निष्पादन ने स्कूल के सुरक्षा उपायों को मजबूत करने और छात्रों तथा कर्मचारियों के बीच लचीलेपन और जागरूकता की भावना को बढ़ावा देने में भी मदद की। इसके अलावा, यह देश भर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए संभावित खतरों के मामले में तत्परता और लचीलेपन का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहन भी है।

25 वर्ष के असम सिलचार के कलाकार सुशांता दास को मुंबई में सनेहा उल्लाल ने आईफा अवॉर्ड देकर किया सम्मानित

♦भारत टाइम्स♦

मुम्बई/ बीती रात को मुंबई में हुए आईफा - दादा साब फाल्के इंडियन टेलीविजन अवार्ड शो में असम के एक गांव सिलचार के कलाकार सुशांता दास को मुंबई में स्नेहा उल्लाल ने उसकी कला को देख क्क्त्रक्ष ६१ƒ देकर सम्मानित किया, स्नेहा उल्लाल ने जब सुशांता के हाथ से बनी पेंटिंग देखि तो उसकी तारीफ के पूल बाँध दिए, स्नेहा के अलावा वहां मौजूद बॉलीवुड की हस्तियां अभिनेता कबीर दुहान सिंह, शिवांगी वर्मा, मदालसा शर्मा, विझाय बदलनी, हिमानी शिवपुरी, उर्वशी उपाध्याय, ज्योति गऊबा, निर्मल सोनी, विनोद सिंह, शाम माशेलकर ने भी सुशांता की पेंटिंग देख तारीफ की। सुशांता दास बचपन से ही पेंटिंग बनाने में रुचि रखता था वो पढाई के साथ पेंटिंग में भी ज्यादा ध्यान देता था। उसका गांव उसकी हुनर ??से पूरी तरह से वाकिफ है। कुछ महीने पहले सुशांत दास बागेश्वरधाम गया तब वहां उनकी मुलाकात रेकोला पीआर के प्रबंध निदेशक लक्ष्मण वैष्णव से हुई। जब लक्ष्मण ने बागेश्वर धाम महाराज की पेंटिंग देखी तो हतप्रभ रह गए। लक्ष्मण ने उन्हें मुंबई आने का न्योता दिया। कहा कि तुम्हारा हुनर ??और कला से पूरा देश वाकिफ होना चाहिए। सुशांत दास इन दिनों अपने गांव में पेंटिंग सिखाने की क्लास लेते हैं। बहुत जल्दी वो इंडिया आर्ट फेस्टिवल में भाग लेंगे।

पुलिस के खिलाफ हड़ताल पर कानपुर के अधिवक्ता, धरने पर बैठे

♦भारत टाइम्स♦

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां वकीलों ने पुलिस द्वारा की गई एक तरफा कार्रवाही के विरोध में हड़ताल कर दी है। वह इसके विरोध में धरने पर भी बैठे और एसीपी बिठूर और इंस्पेक्टर को निलंबित किये जाने की मांग की। इस बीच वकीलों की ओर से पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

अधिवक्ताओं का आरोप है कि नाबालिग बच्ची के साथ कोई शोहदा छेड़खानी कर रहा था, जिसकी शिकायत बेटी के पेशे से अधिवक्ता पिता ने आरोपी के पिता से की। इसी के बाद बिठूर पुलिस ने अधिवक्ता और उनकी पत्नी को ही हिरासत में ले लिया। जिसकी वजह से अधिवक्ताओं में पुलिस के प्रति गुस्सा है। इसके विरोध में अधिवक्ताओं ने पुलिस कार्यालय का घेराव भी किया। उन्होंने बिठूर एसीपी व थानेदार को सस्पेंड करने की मांग की है।

ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

♦भारत टाइम्स♦

अजमेर/ आज दिनांक 29-06-2024 को अजमेर मंडल खेलकूद संघ (ए डी एस ए) द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर (बास्केटबॉल) का समापन ए डी एस ए बास्केटबाल स्टेडियम पर मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष ए डी एस ए एवम अपर मंडल रेल प्रबंधक अजमेर श्री बलदेव राम तथा सचिव ए डी एस ए एवम वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनीयर श्री वीरेन्द्र कुमार ने बच्चो को सर्टिफिकेट एवम टी शर्ट प्रदान कर किया । दिनांक 13-06-24 से 29-06-2024 तक आयोजित शिविर में कोच श्री निशांत डोई , श्री हरेंद्र सिंह एवम श्री कामरान खान ने अपनी सेवाऐं दी ।

समिति अध्यक्ष पुखराज मुलेवा ने शिक्षा के क्षेत्र में दिए चालीस हजार रुपये

♦भारत टाइम्स♦

मैसूर : रायपुर तहसील गांव कुशालपुरा बेरा मुकाता के निवासी पुखराज मुलेवा हाल अशोका रोड़ ,मैसुर ने राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति के माध्यम से समिति के अध्यक्ष ने सीरवी समाज की चार होनहार प्रतिभाओं को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा देने हेतु 28 जून 2024 को 40 हजार रुपए की राशि होनहार प्रतिभाओ के खाते में सिधे ऑनलाइन जमा करवाए। पुखराज मुलेवा ने कहा कि हमारा समाज शिक्षा के क्षेत्र में समाज की बालक, बालिकाएं को आगे बढ़ाने हेतु हम सभी को आगे आना चाहिए। समाज में शिक्षा एवं विकास में तेजी से आगे बढ़ेगा। समिति के माध्यम से बहुत से प्रतिभाओं का सहयोग और योगदान दिया, पुखराज मुलेवा राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति के अध्यक्ष पद पर है आशा है आपके नेतृत्व में समिति के माध्यम से समाज मे शिक्षा ,खेल के क्षेत्रों में अनेकों नेक काम और पुण्य का हो। आपकी छात्र हित, शिक्षा व समग्र सामाजिक उत्थान की भावना और जिस तरह से बालिका शिक्षा उन्नयन में योगदान कर रहे हो,वह बहुत ही अद्वितीय, अकल्पनीय और अविश्वसनीय है। यदि आप जैसी विराट सोच और विशाल सहृदयता समाज के धनी वर्ग में आ जाय तो समाज तेज कदमो से आगे बढ़ सकता है। राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति परिवार की तरफ से पुखराज मुलेवा को बहुत बहुत धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया । मुलेवा ने कहा कि आगे जब भी जरूरत पड़ेगी बच्चों के लिए सदैव तत्पर रहुगा।

ये 40 साल में नगर परिषद व कॉलेज नहीं दे पाए, फिर कैसा छिंदवाड़ा मॉडलः डॉ. मोहन यादव

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को अमरवाड़ा विधानसभा के सिंगोड़ी और हर्रई में पार्टी प्रत्याशी कमलेश शाह के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के समय लोग कहते थे कि छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ है। हम कहते थे, यह गढ़ नहीं गड़बड़ है। विकास के छिंदवाड़ा मॉडल की बात करने वाले हवाई जहाज में उड़ते रहते थे। हवा में ही रहते थे, जमीन पर नहीं उतरते थे। ये 40 सालों तक छिंदवाड़ा मॉडल की बात करते रहे, लेकिन सिंगोड़ी नगर परिषद नहीं बन पाया। यहां कॉलेज नहीं खुल सका। किसानों के लिए सिंचाई के इंतजाम नहीं हुए। डूब क्षेत्र वालों को मुआवजा नहीं मिला, फिर कैसा छिंदवाड़ा मॉडल?

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में शिक्षा का स्थान कितना महत्वपूर्ण है, यह हमारे भगवान श्री गोपाल कृष्ण ने 5000 साल पहले बताया था। उन्होंने मथुरा आकर कंस को मारा, लेकिन कुर्सी पर नहीं बैठे। महाराज उग्रसेन को राजगद्दी सौंपकर पढ़ने के लिए उज्जैन आ गए थे। जब उस समय शिक्षा इतनी महत्वपूर्ण थी, तो आज क्यों नहीं? क्यों यहां पर कॉलेज नहीं होना चाहिए। कांग्रेस के लोग यहां से चुनाव पर चुनाव जीतते रहे, लेकिन न कॉलेज दिया न नगर परिषद दी। पता नहीं ये लोग क्यों चुनाव लड़ते हैं। इन्होंने बांध बनाया, लेकिन डूब क्षेत्र वालों को मुआवजा नहीं दिया। लेकिन आप चिंता मत करना, हम वो सभी काम करेंगे जो कांग्रेस वालों ने नहीं किए। नगर परिषद भी बनेगी, कॉलेज भी खुलेगा। डूब क्षेत्र वालों को मुआवजा मिलेगा, यह हमारी गारंटी है। उन्होंने कहा कि हम भगवान का जयकारा लगाते हैं, तो कांग्रेसियों को बुखार आ जाता है। लेकिन हम जाम सांवली में हनुमान जी का हनुमान लोक भी बनाएंगे।

समय

बेकाबू महंगाई से बढ़ रहीं जनता की मुश्किलें

महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए टेढ़ी खीर बना हुआ है। मई में थोक महंगाई पिछले पंद्रह महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। अब यह 2.61 फीसद पर है, जबकि अप्रैल में यह 1.26 फीसद थी। इसी अवधि में पिछले वर्ष यह नकारात्मक 3.61 फीसद पर थी। जबकि इसके उलट खुदरा महंगाई मई में घट कर 4.75 फीसद पर पहुंच गई, जो इस वर्ष का सबसे निचला स्तर है। थोक महंगाई पिछले तीन महीने से लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल और गैस तथा अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इस वर्ष मई में थोक महंगाई बढ़ी। खासकर सब्जियों की थोक कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी गई। सब्जियों की थोक महंगाई दर 32.42 फीसद रही। प्याज की थोक महंगाई दर 58.05 फीसद और आलू की 64.05 फीसद दर्ज की गई। भारतीय रिजर्व बैंक आमतौर पर खुदरा महंगाई दर के आधार पर अपनी मौद्रिक नीतियों में बदलाव करता है। मगर मई में खुदरा महंगाई पांच फीसद से कम होने के बावजूद उसने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया। इसलिए कि उसका अनुमान है कि अभी महंगाई का रुख अनिश्चित बना रहेगा और उसमें उतार-चढ़ाव आ सकता है। आमतौर पर थोक महंगाई का असर खुदरा महंगाई पर पड़ता है। जो चीजें थोक में महंगी होती हैं, उनकी खुदरा कीमतें भी बढ़ती हैं। मगर बीते मई महीने में यह क्रम उलटा देखा गया। थोक महंगाई बढ़ी, पर खुदरा महंगाई कम हुई। महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का तर्क दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर इजराइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही है। जाहिर है, इसका असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। मगर यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी कई वर्ष से हो रही है, जिसका प्रभाव माल ढुलाई पर देखा गया है।

विचार

फिर आतंकी हमलें, कायम हो शांति का उजाला

ललित गर्ग

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं।

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में

विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं। तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये। इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं।

राजनीतिक

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई ज़द में ...

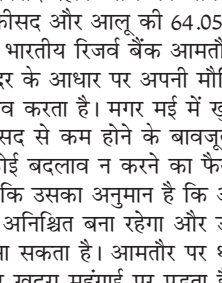

निर्मल रानी

विगत 6 जून को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर फ़िल्म अभिनेत्री व हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सांसद कंगना रानौत के गाल पर वहां सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सीआई एस एफ़ की महिला सिपाही कुलविंदर कौर ने थप्पड़ जड़ दिया। किसी भी सुरक्षा कर्मी द्वारा अति सुरक्षित स्थान पर ऐसा अभद्र व्यवहार किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। इस शर्मनाक घटना के बाद आरोपी महिला सिपाही कुलविंदर कौर को सीआईएसएफ ने तत्काल गिरफ़्तार कर उसे निलंबित भी कर दिया।

इस घटना की पृष्ठभूमि यह है कि किसान आंदोलन के दौरान कंगना रानौत ने पंजाब के आंदोलनकारी किसानों को आतंकवादी तथा ख़ालिस्तानी कहा था और यह भी कहा था कि किसान आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारी महिलाओं को सौ-सौ रुपये दे कर प्रदर्शन के लिये लाया गया था। ख़बरों के अनुसार किसानों के साथ शामिल महिला प्रदर्शनकारियों में महिला सिपाही कुलविंदर कौर की मां भी शामिल थी जो कंगना रानौत की महिलाओं को सौ-सौ रुपये लेकर प्रदर्शन करने वाले बयान से बेहद आहत हुई थी। परिणाम स्वरूप उसी अपमानजनक बयान के बदले के रूप में यह अप्रत्याशित घटना सामने आई। किसान आंदोलन के दौरान ही कंगना ने ट्वीटर पर यह विवादित टिप्पणी भी की थी कि- कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है क्योंकि वे किसान नहीं हैं, वे आतंकवादी हैं जो भारत को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि चीन हमारे कमज़ोर टूटे हुए राष्ट्र पर क़ब्ज़ा कर सके और इसे यूएसए की तरह एक चीनी उपनिवेश बना सके... बैठ जाओ मूर्ख, हम अपने देश को तुम बेवक़ूफ़ों की तरह नहीं बेच रहे हैं। हालांकि इस पोस्ट पर हुई आलोचना के बाद कंगना ने इस पोस्ट को भी हटा लिया था। निश्चित रूप से यदि सिपाही कुलविंदर कौर का कृत्य ग़लत है तो कंगना रानौत के ऐसे बयानों को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। इस घटना के बाद कंगना रानौत द्वारा दिये गये एक और विवादित बयान ने इस मुद्दे पर चर्चा को और अधिक तूल दे दिया है जिसमे उन्होंने चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर अपने साथ हुई घटना का विवरण देने के अंत में कहा कि हमें इस बात की चिंता है कि पंजाब में जो आतंकवाद व उग्रवाद बढ़ रहा है हम उससे कैसे निपटते हैं। उनके इस बयान के बाद किसान और भी कड़ी आपत्ति जता रहे हैं और कुलविंदर के समर्थन में एकजुट हो गए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित अनेक नेताओं ने कहा है कि इस घटना को पंजाब में आतंकवाद व उग्रवाद फैलने से जोड़ना बिल्कुल ग़लत है और एक सांसद के नाते तो कंगना को ऐसी बात हरगिज़ नहीं करनी चाहिये। परन्तु कंगना के इस आतंकवाद वाले बयान ने देश में पिछले कुछ दिनों के भीतर हुई ऐसी घटनाओं की याद दिलाते हुये आतंकवाद व उग्रवाद पर एक बहस ज़रूर छेड़ दी है। याद कीजिये अभी गत 18 मई को जब उत्तर-पूर्वी दिल्ली से लोकसभा के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार कन्हैया कुमार अपने निर्वाचन क्षेत्र के उस्मानपुर इलाक़े में चुनाव प्रचार कर रहे थे उस समय उन पर पहले कुछ लोगों ने स्याही फेंकी और फिर उनके गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। मारने वाला व्यक्ति कन्हैया कुमार को टुकड़े टुकड़े गैंग का सदस्य बता रहा था। कन्हैया कुमार के इन दो हमलावरों में दक्ष चौधरी नाम का वह व्यक्ति भी था जिसने पिछले दिनों फ़ैज़ाबाद के चुनाव परिणामों से खिन्न होकर अयोध्या के लोगों को अपमानित किया था। यह लोग 'हिंदू रक्षा दल' नमक किसी संगठन से जुड़े थे। इन्होंने इनके अनुसार 'राम को घर वापसी कराने वाली पार्टी' (भाजपा) को वोट ना देने पर अयोध्यावासियों को गालियां दीं थी। क्या इस तरह की सोच व ऐसे कृत्य को उग्रवाद व आतंकवाद से प्रेरित सोच कहना चाहिये ? इसी तरह 13 अक्टूबर, 2011 को प्रसिद्ध वकील प्रशांत भूषण पर सुप्रीम कोर्ट में उनके चैंबर में हमला किया गया था। उस दिन तीन लोग प्रशांत भूषण के चैंबर में घुस आए थे और उन्हें पीटना शुरू कर दिया। भूषण उस समय किसी टीवी चैनल को साक्षात्कार दे रहे थे। अतिवादियों ने प्रशांत भूषण को थप्पड़ और लात मारी। वे फ़र्श पर गिर गए, उनका चश्मा गिर गया और उनकी शर्ट फट गई थी। भूषण के एक हमलावर तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को बाद में भाजपा ने अपनी पार्टी में शामिल कर महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी दी थी । हमलावरों ने स्वयं को श्री राम सेना से बताया था।

यह वही दक्षिणपंथी हिंदू चरमपंथी समूह था जिसके कार्यकर्ताओं ने 2009 में मैंगलोर के एक पब में बैठी युवतियों पर हमला किया था। यह उग्रवाद व अतिवाद नहीं तो और क्या है ?

और गत वर्ष 31 जुलाई को सुबह 5 बजे जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में घटी उस हिंसक घटना को क्या नाम दिया जाये जब वापी और बोरी वली रेलवे स्टेशन के बीच दौड़ रही इस ट्रेन में ड्यूटी पर तैनात आर पी एफ़ के एक 30 वर्षीय कॉन्स्टेबल चेतन सिंह ने गोलीबारी कर अपने सीनियर एक इंस्पेक्टर टीकाराम मीणा सहित अब्दुल क़ादिर ,असग़र अब्बास शेख़ व सैयद सैफ़ुल्लाह नामक चार व्यक्तियों की हत्या कर दी थी। देश में मॉब लिंचिंग के सैकड़ों मामले हो चुके हैं। धर्म व जाति विशेष के लोगों को निशाना बनाया जाता रहता है। गौ रक्षा के नाम पर स्वयंभू गौरक्षक तमाम लोगों को मार चुके हैं। मंत्री सांसद विधायक व स्वयंभू धर्मगुरु धर्म विशेष के लोगों को आतंकी बताते हैं तो कभी उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकियाँ देते हैं।

यह आतंकवाद व अतिवाद नहीं तो और क्या है। हिन्दू जागरण के नाम पर आजकल बेख़ौफ़ होकर नफ़रत फैलाई जा रही है। जिससे समाज का सीधा सादा बेरोज़गार युवा उनके झूठे नफ़रत भरे दुष्प्रचार से प्रभावित होकर धर्म विशेष के प्रति उग्र हो रहा है। ऐसे लोगों पर नकेल कसने वाला कोई नहीं। बल्कि ऐसे असामाजिक व अवांछित तत्वों की किसी न किसी तरह हौसला अफ़ज़ाई की जाती है। पंजाब इस समय पूर्णतय: शांतप्रिय राज्य है। यहाँ शांति क़ायम करने में अनेक लोगों को अपनी जान की क़ुर्बानियां देनी पड़ी है। लिहाज़ा अपनी बदज़ुबानी के लिये मुआफ़ी मांगने या उसपर पश्चात्ताप करने के बजाये किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा आतंकवाद की चिंता व्यक्त करने पर जिसे यह भी नहीं पता कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू थे,सुभाषचंद्र बोस नहीं।

सुविचार

महान सौंदर्य, अत्यधिक ताकत, बहुत धन का वास्तव में कुछ खास उपयोग नहीं है। एक सच्चा हृदय सबसे ऊपर है।

- बेंजामिन फ्रेंकलिन

राशिफल

मेष	आज भाग्य का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में आपका सकारात्मक रवैया सब का मन लुभाया।
वृष	कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कामकाज के सिलसिले में यात्रा कर सकते हैं। व्यापारिक मामलों में गतिरोध पैदा हो सकता है।
मिथुन	आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जिससे तनाव उभर सकता है धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता प्राप्त होगी।
कर्क	आज का दिन बेहतर साबित होगा। सभी सोचते हुए करें आसानी से पूरे हो जाएंगे। मन प्रसन्न रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने का कार्यक्रम बन सकता है।
सिंह	आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली रहेगा बहुत समय से अटका कोई कार्य पूर्ण होगा। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें पूंजी निवेश सोच समझकर करें।
कन्या	कार्यक्षेत्र में एक के बाद एक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा कार्य की अधिकता के कारण मानसिक तनाव हो सकता है। आर्थिक मामले अटक सकते हैं।
तुला	आज का दिन बढ़िया रहेगा। आज आपका किसी भी तरह की कोई उलझन या परेशानी से सामना नहीं होगा। आज का दिन शांतिपूर्वक बीतेगा।
वृश्चिक	आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यालय में लंबित कार्यों को निपटाने में अधिकतर समय जाएगा। आर्थिक पक्ष को लेकर चिंतित रह सकते हैं।
धनु	आज आप शारीरिक थकान का अनुभव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कार्य की अधिकता व चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।
मकर	मानसिक एवं शारीरिक रूप से ऊर्जावान रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आ रही परेशानियों से निजात मिलेंगी सभी कार्य आसानी से निपट जाएंगे।
कुंभ	कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य बनी रहेंगी। मन परेशान रह सकता है। पैसों के लेनदेन को लेकर सावधानी बरतें बिना सोचे समझे पैसा उधार देने से बचें।
मीन	आर्थिक समस्याओं से सामना हो सकता है। किसी भी बड़ी योजना में पूंजी निवेश करने से पहले सोच विचार करें अन्यथा बाद में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कब बंद होगा शिक्षा का व्यवसायीकरण

लेखिका-संध्या सैनी

मानव समाज में शिक्षा सतत् चलने वाली प्रक्रिया है जो मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है। जीवन जीने की कला के साथ ही भाषा और अभिव्यक्ति को परिष्कृत करने वाली शिक्षा अब बहुत आगे बढ़ चुकी है। इस अत्याधुनिक युग में शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत हो चुका है। वैज्ञानिक और तकनीकी विकास ने शिक्षा के नये द्वार खोल दिये ?हैं। आज का युग मशीनों का? युग है, चिकित्सा से लेकर अंतरिक्ष यान की संरचना तक हर वस्तु शिक्षा के दायरे में आ गयी है?, स्वाभाविक है कि प्रतियोगिता और बौद्धिक क्षमता अपने उच्चतम स्तर को छू रही है और इन परिस्थितियों ने शिक्षा को ऐसे व्यापार में बदल? दिया है, जिसके दलदल में आज का समाज फंसता जा रहा है। बेईमानी करके, साजिश और घोटाले करके पैसे कमाने वाला वर्ग इसके लिए जितना जिम्मेदार है उतना ही जिम्मेदार वे लोग भी हैं जो किसी भी तरह सफलता प्राप्त करना चाहते हैं। इसका मुख्य कारण है व्यवस्थाजन्य कमियां जो इन जैसे लोगों को अवसर प्रदान करतीं हैं। आज समय आ गया है जब कि सरकार को शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस विषय में पहल करनी चाहिए। जब देश की रेल व्यवस्था इतने बड़े नेटवर्क को समन्वित तरीके से संचालित कर सकती है। देश का चुनाव आयोग इतने बड़े देश में तमाम चुनौतियों के बावजूद कुशलता पूर्वक चुनाव करा सकता है। तो देश का भविष्य कहे जाने वाले और आने वाले समय में देश को संवारने वाले मासूम बच्चों की शिक्षा के विषय में इतनी उदासीनता क्यों? संपूर्ण ?देश की शैक्षणिक गतिविधियों को संचालित करने के लिए विशेषत: प्रतियोगी परीक्षाओं और महत्वपूर्ण उच्च शिक्षा के लिए इसी तरह की कोई संस्था क्यों नहीं बनायी जा सकती जो तमाम विसंगतियों को दूर रखें और समन्वय को बनाये रखें क्योंकि इतनी कमियां और अव्यवस्थाये है, कहीं पिछली परीक्षा का परिणाम आया नहीं और अगली कक्षा के प्रवेश आरंभ हो गये। कभी-कभी तो छात्रों को एक साथ कई जगहों पर एक ही समय में प्रवेश लेना पड़ता है कि कहीं साल बेकार न चला जाये। मौजूदा मामलों और व्यवस्था को देखते हुए तो यही लगता है कि शिक्षा को मज़ाक बना कर रख दिया गया है। पालक व छात्र-छात्राएं घनचक्कर बन इस अव्यवस्था से जूझते रहते हैं और जो इनसे पार पा जाता है वही सफल हो पाता है। इनमें से कुछ तो निराश हो कर सड़क पर आ जाते हैं और कुछ जीवन समाप्त कर लेते हैं। इसके बाद भी हम नहीं जागे और प्रतिभाओं को उचित पहचान नहीं दे सकें तो हमें आये दिन ऐसे समाचार मिलते रहेंगे कि आज डाक्टर की लापरवाही से किसी की जान चली गई, कोई नवनिर्मित पुल धराशायी हो गया, इसके साथ-साथ प्रतिभा पलायन का विषय तो सामान्य बात हो गयी हैं। पता नहीं हम कब जागेंगे और कब बंद होगा शिक्षा का यूं व्यवसायीकरण?

उपाय भी ठीक से हो

अध्यात्म

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाईं। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ?से मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ?से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

कार्टून

झाबुआ में एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जाएगी

कलेक्टर ने किया अपूर्ण ट्राईबल छात्रावासों का निरीक्षण किया

♦भारत टाइम्स♦
रहीम शेरानी झाबुआ

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिले में विभिन्न अपूर्ण ट्राईबल छात्रावासों का निरीक्षण किया गया है। जिसमें बालक उत्कृष्ट छात्रावास झाबुआ, नगर पालिका के समीप स्थित बालक छात्रावास क्रमांक-5 झाबुआ, सीनियर कन्या छात्रावास झाबुआ, संयुक्त कन्या छात्रावास झाबुआ एवं संयुक्त बालक छात्रावास झाबुआ का निरीक्षण किया गया। जिले में बच्चों के पढ़ने के लिए एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जाएगी।

साथ ही बच्चों के लिए प्रतियोगी परीक्षा नीट की तैयारी के लिए क्लासेस चलाई जाएगी। बालक उत्कृष्ट छात्रावास झाबुआ 50 सीटर एवं बालक छात्रावास क्रमांक-5 झाबुआ (नगरपालिका के समीप) के भवन कार्य पूर्ण होने से निर्मित भवन अंतर्गत तत्काल संस्था संचालन की कार्यवाही संबंधित विभाग को किए जाने के निर्देश दिए। सीनियर कन्या छात्रावास झाबुआ 50 सीटर (टीसीपीसी परिसर में निर्मित) के भवन परिसर का अवलोकन किया गया, मौका मुआयना पर कन्या छात्रावास के भवन समीप सुरक्षा दिवार बाउण्ड्रीवाल का निर्माण संपूर्ण परिसर में नहीं किया जाना पाया गया। परिसर में निर्मित किये गये इस भवन के संपूर्ण परिसर में बाउण्ड्रीवाल का नवीन निर्माण नहीं किये जाने के तकनीकी प्रत्युत्तर में उपस्थित एसडीओ पीआईयु एवं उपयंत्री के द्वारा अवगत कराया गया कि भवन डीपीआर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य सम्मिलित नहीं है। कन्याओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए निर्देशित किया गया कि निर्माण एजेन्सी द्वारा बाउण्ड्रीवाल का निर्माण तथा साईट डेवलपमेंट अंतर्गत मुख्य प्रवेश द्वार के सम्मुख एवं बांई ओर पूर्व निर्मित विभागीय भवन जो कि अत्यधिक पुराने एवं जर्जर हो चुके है, को निष्प्रयोजित होने से डिस्मेंटल किये जाने की कार्यवाही की जाकर निर्मित भवन का आधिपत्य मूलभूत सुविधाओं सहित विभाग को संस्था संचालन के लिये शीघ्र हस्तांतरण किये जाने की कार्यवाही की जावें। संयुक्त कन्या छात्रावास झाबुआ 140 सीटर (जि.पंचा. के शासकीय आवासगृहों के पीछे माधोपुरा में) निर्मित किये जा रहे भवन का अंतिम स्तर का कार्य विगत माहों से लंबित होने की स्थिति पाई गई। जनजातीय कर विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मूल कार्य के निविदाकार द्वारा अनुबंध अवधि में कार्य पूर्ण न किये जाने से मूल निविदाकार को ब्लैक की जाने की कार्यवाही की गई है एवं अवशेष के लिये पुनः निविदाऐं आमंत्रित किये जाने से कार्य अपूर्ण हैं। उक्त कार्य के संबंध में पुनः आमंत्रित की गई। कलेक्टर द्वारा लंबित कार्य को जल्द पूर्ण कराया जाकर विभागीय आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की करने के निर्देश दिए । संयुक्त बालक छात्रावास झाबुआ 140 सीटर(कॉलेज मार्ग) के नवीन भवन निर्माण कार्य जो कि पूर्णता के स्तर पर है, मूलभूत आवश्यक सुविधाओं को शीघ्र पूर्ण कराया जाकर इस भवन को भी एक माह में विभागीय आधिपत्य में लिए जाने के निर्देश दिए । इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा, एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय संभागीय आईटीआई में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

♦भारत टाइम्स♦
उज्जैन /जगदीश परमार

प्राणियों में प्राण वायु की आवश्यकता के लिए मौसम के अनुरूप शासकीय संभागीय आईटीआई उज्जैन में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाकर विभिन्न तरह के पौधे लगाए गए, संस्था के पौधारोपण कार्यक्रम में उज्जैन शहर के महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ,संस्था के अध्यक्ष राजेश गर्ग ,सदस्य सुनील पिठवे, प्रवीण पांचाल, अतीत अग्रवाल जनप्रतिनिधियों, अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में संस्था परिसर में 1100 पौधारोपण किया जाने के लिए विधायक ने छात्र-छात्राओं अधिकारी, कर्मचारियों को शपथ दिलाई

संस्था की ओर से अश्वस्त कर, आभार प्राचार्य के.एल. सुनहरे ने किया पौधारोपण मे समस्त स्टाफ, प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न कराया

सहायक जेल अधीक्षक जेल प्रहरी के पदों के लिए शारीरिक नाप टेस्ट 2 जुलाई से 7 जुलाई तक आयोजित

♦भारत टाइम्स♦
रहीम शेरानी झाबुआ

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 25 मई, 2023 से 20 जून, 2023 तक परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परीक्षा परिणाम 14 मार्च, 2024 को घोषित किया गया है। सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों हेतु सफल अभ्यर्थियों के द्वितीय चरण की परीक्षा जिसमें शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट होगा, जेल विभाग स्वयं लेगा। प्रथम चरण में चयनित उम्मीदवारों का शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट मोतीलाल नेहरू, पुलिस स्टेडियम, भोपाल में 02 जुलाई, 2024 से 07 जुलाई, 2024 तक प्रतिदिन प्रातः 07 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसका विस्तृत विवरण मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल की वेबसाइट www.esb.mp.gov.in पर उपलब्ध है। सफल अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रपत्रों को निकालकर नियत तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों एवं जानकारी सहित शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट हेतु उपस्थित हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि सहायक जेल अधीक्षक के 33 पद एवं जेल प्रहरी के 200 पदों हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा क्रमशः 414 एवं 2264 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण हेतु पात्र पाया गया है, जिनका द्वितीय चरण में शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट लिया जाना है। शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट में योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों में से मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल अंतिम चयन सूची जारी करेगा, जिन्हें जेल विभाग द्वारा प्रहरी के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

रेलवे सुरक्षा बल ने ई-टिकट के अवैध कारोबारी को दबोचा

♦भारत टाइम्स♦
(शीतल निर्भीक ब्यूरो)

वाराणसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा और अवैध सामानों की धर-पकड़ के निरंतर प्रयास के तहत 27 जून को एक बड़ी सफलता हासिल की गई। गोरखपुर और भटनी की अपराध आसूचना शाखा तथा देवरिया सदर के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बैकुंठपुर बाजार स्थित एक दुकान पर छापा मारकर ई-टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक दुकान संचालक को गिरफ्तार किया गया। दुकान से व्यक्तिगत यूजर आईडी पर बने 06 ई-टिकट बरामद हुए।

रेलवे सुरक्षा बल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। 26 जून 2024 को भी अपराध आसूचना शाखा, गोरखपुर एवं भटनी तथा रेलवे सुरक्षा बल, देवरिया सदर द्वारा नारायणपुर नगवा रोड, रूद्रपुर देवरिया स्थित एक दुकान से ई-टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। उस व्यक्ति के पास से व्यक्तिगत यूजर आईडी पर बने 11 ई-टिकट बरामद हुए थे। इसके अलावा, 26 जून 2024 को रेलवे सुरक्षा बल और अपराध आसूचना शाखा, छपरा द्वारा प्लेटफार्म संख्या 04/05 से यात्री सामान की चोरी करने वाले एक चोर को गिरफ्तार किया गया। चोर के पास से यात्रियों के चोरी किए हुए 02 मोबाइल बरामद हुए। रेलवे सुरक्षा बल की यह त्वरित कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। आरपीएफ द्वारा अवैध कारोबारियों और चोरों के खिलाफ इस तरह की कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

1 जुलाई को मेघनगर के प्रसिद्ध पडवाल हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर

♦भारत टाइम्स♦
रहीम शेरानी झाबुआ

रोटरी क्लब अपना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सचिव का पद गृहण

रोटरी क्लब अपना मेघनगर मानव सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली संस्था के तत्वाधान में मेघनगर के प्रसिद्ध पडवाल हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर आयोजीत किया जाएगा कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि प्रसिद्ध धार्मिक धाम पीपल खुटा सरकार के श्री दयाराम दास महाराज, एवं शपथ अधिकारी पीडीजी अशोक अशोक तातेड, विशेष अतिथि राहुल मुथा सहा. गवर्नर मेघनगर रोटरी क्लब अपना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेंद्रसिंह सोलंकी एवं सचिव कमलेश गरवाल की ताज पौशी एवं अध्यक्ष पद से नवाजे जाने के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा !

नवनिर्वाचित अध्यक्ष के द्वारा बोर्ड का गठन कर बोर्ड के गठन की संपूर्ण जानकारी शाजा की जाएगी जिसमें यह रहेंगे सदस्य एवं पदाधिकारी श्रीमती माया शर्मा उपाध्यक्ष, संरक्षक विनोद बाफना एवं अजय वीर सिंह, रोटरी क्लब के फाउंडेशन चेयर मेन मांगीलाल नायक, क्लब ट्रेनर बहादुर सिंह चौहान, मेंबरशिप डेवलपमेंट पंकज राका, पब्लिक इमेज एवं ब्लड डोनेशन चेयर मेन डाक्टर किशोर नायक, क्लब सर्विस प्रोजेक्टर जयंत सिंगल, स्वास्थ्य अध्यक्ष, महेश प्रजापत, एवं योगेश नायक, इवेंट मैनेजमेंट, श्रीमती चंदनबाला शर्मा, श्रीमती कुसुम सोलंकी, कांतिलाल नीमा, कयूम खान, लीगल एडवाईजर दीपक व्यास यंग विंटर कास्ट कॉन्टैक्ट लोकेंद्र शर्मा, जनरल सेक्रेटरी अभय जैन कार्यक्रम संचालक जयंत बैरागी लिटरेसी अध्यक्ष कांतिलाल नीमा को सर्व सहमति से नवाजा गया है रोटरी क्लब अपना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेंद्र सिंह सोलंकी सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों की घोषणा कर विस्तार से बताएंगे ! रोटरी क्लब अपना के संस्थापक अध्यक्ष भरत मिस्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 1 जुलाई को नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सचिव एवं पूरी बॉडी का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमे नगर के सेवाभावी डॉक्टरो एवं कलमकारों का सम्मान भी किया जाएगा यह भव्य कार्यक्रम 1 जुलाई को नगर के प्रसिद्ध पडवाल हॉस्पिटल मेघनगर की झाबुआ रोड पर आयोजित किया जा रहा है !

बलिया ने मुझे बहुत सम्मान दिया -रविंद्र कुमार निवर्तमान डीएम

♦भारत टाइम्स♦
(शीतल निर्भीक ब्यूरो)

बलिया। निवर्तमान जिलाधिकारी वरिष्ठ आईएएस रविंद्र कुमार से शनिवार को तबादले के बाद मीडिया कर्मियों से मुलाकात के दौरान कहा कि बलिया ने मुझे बहुत सम्मान दिया। जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। इस दौरान मीडिया जगत के लोगों ने आईएएस रविंद्र कुमार को बुके भेंट किया।

निवर्तमान जिलाधिकारी वरिष्ठ आईएएस रविंद्र कुमार ने कहा कि मैं बलिया के नागरिकों, प्रेस के साथियों, जनप्रतिनिधियों को बधाई देता हूं कि उन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया। उन्होंने कहा कि यदि बलिया को अपना समझकर काम करते है तो बलिया आपको बहुत प्यार देगा। मैं बलिया के लोगों का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा कि जिन्होंने मुझे इतना प्यार दिया और हर काम में मेरा सहयोग किया। उन्होंने कहा कि शासन की बहुत योजनाएं है और मैंने अपने समय में उस योजनाओं को आगे बढ़ाया और जितना हो सके उतना काम को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि शासन की बहुत सारी जनकल्याणकारी योजनाएं है जिसका जनता लाभ ले रही है। कहा कि मैं जितना दिन रहा अपना संपूर्ण समय बलिया को दिया।

बलिया की प्राथमिक विद्यालय के समर कैंप में दिखा बच्चों का उल्लास और उत्साह का संचार

♦भारत टाइम्स♦
(शीतल निर्भीक ब्यूरो)

बलिया। जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालय के हनुमानगंज पर आज शनिवार को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष अन्नू सिंह द्वारा दो दिवसीय समर कैंप का आयोजन बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन का शुभारंभ अन्नू सिंह, मेनका सिंह और सीमा सिंह ने बच्चों को तिलक लगाकर पुष्प की वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान गुरुजनों के हाथों सम्मान पाकर बच्चे गदगद नजर आए।

इस दो दिवसीय समर कैंप में बच्चों ने कला-क्राफ्ट, अंताक्षरी और पौधारोपण जैसी गतिविधियों में भाग लिया और खूब मजे किए। बच्चों ने अपनी कला- कौशल का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक कलाकृतियां बनाई और अंताक्षरी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पौधारोपण के दौरान बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझा और कई प्रकार के पौधे लगाए।

इस आयोजन में रसोइया पुष्पा और गीता देवी ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर समर कैंप में चार चांद लगा दिए। उनके द्वारा परोसे गए व्यंजनों ने बच्चों और उपस्थित लोगों को खासा प्रभावित किया। कैंप के दौरान बच्चों की खुशी और उत्साह साफ नजर आ रही थी। समर कैंप के आयोजन को सफल बनाने में पूरे विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षकों और कर्मचारियों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्षा अन्नू सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ₹इस तरह के आयोजनों से बच्चों में रचनात्मकता व सामाजिकता का विकास होता है। यह समर कैंप बच्चों के लिए एक अनूठा अनुभव साबित हुआ, जिसमें उन्होंने न सिर्फ मजे किए बल्कि नई-नई चीजें भी सीखने का उन्हें मौका भी मिला।

इस समर कैंप के समापन पर बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि उन्होंने इस कैंप में बहुत कुछ नया सीखा और खूब मजे किए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें आपस में मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलता है और वे नई-नई चीजें सीखते हैं।

विद्यालय की सहायक शिक्षिका मेनका सिंह ने बताया कि समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बीच रचनात्मकता और टीम वर्क को बढ़ावा देना था। ₹बच्चों में नई-नई गतिविधियों के माध्यम से सीखने की जिज्ञासा को बढ़ावा देना हमारा लक्ष्य था, और इस कैंप ने हमें इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद की। शिक्षिका सीमा सिंह ने कहा, बच्चों की खुशी और उत्साह ने हमारे प्रयासों को सफल बना दिया। उनकी मुस्कान और आनंद ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। हम आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे ताकि बच्चों को नये अनुभव मिलते रहें।

अंत में, विद्यालय परिवार ने समर कैंप के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करते रहने का संकल्प लिया। समर कैंप का आयोजन बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव बना और सभी ने इस आयोजन को खूब सराहा।

मजलिस ए बरसी का हुआ आयोजन

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव/रामनगर/वाराणसी।

गोलाघाट स्थित हैदरी जामा मस्जिद में शुक्रवार रात्रि एक मजलिस ए बरसी का आयोजन किया गया। मजलिस का आगाज आजम रिजवी ने तिलावते कलामे पाक से किया। मजलिस में कुमैल रजा, अम्बर तुराबी, यूसुफ रिजवी रईस, शहंशाह मिजार्पुरी शायरों ने कलाम पेश किये। मजलिस में तकरीर मौलाना तौसीफ अली इमामे जुमा अरदली बाजार बनारस ने किया। उन्होंने नबी के आखिरी हज से वापस लौटते समय गदीर के मैदान में मौला अली को नबी का जानशीन बनाये जाने और कर्बला की दास्तान, जुल्म और सितम के बारे में बताया जिसको सुनकर अजाद्वारों की आंखे नम हो गयी। जिसमें अंजुमन मुहाफिज-ए-अजा रामनगर और अंजुमन अब्बासिया ने नौहाखानी व सीनाजनी की। बानिए मजलिस बाकर रजा, एबाद रजा और कुमैल रजा ने लोगों का शुक्रिया अदा किया। मजलिस में मुख्यरूप से सय्यद मौलाना फरमान रजा, महताब हुसैन, शारीद, शहंशाह मिजार्पुरी, अम्बर तुराबी, सय्यद आफताब हुसैन, सय्यद बलिस्टर हुसैन, सय्यद दानिश हुसैन, जैन बनारसी, मोहम्मद मेहंदी, सय्यद अख्तर रजा आब्दी, सय्यद रजी.जैदी, इनाम रजा, मोहम्मद, समर अब्बास, शबिहुल हसन फातमी, मुन्ना मिर्जा, कासिम रजा, हादी मिर्जा, मोहम्मद अशफाक, युसूफ रिजवी (रईस), कुमैल रजा, आजम रिजवी, नकी हसन विक्की, इनाम रजा, मिर्जा मुशीर हसन (राजू), जहीर हसन जैदी, शमीम अख्तर, मोहम्मद आसिफ, मुजम्मिल मिर्जा, मुजतबा हुसैनी, एबाद रजा, कुमैल रजा, बाकर रजा, सैफ रजा, सय्यद राशिद आब्दी, मोहम्मद अस्त्र जैदी, मोहम्मद मेंहदी सल्लन, मीसम, सय्यद आदिल आदि लोग मौजूद थे।

नो एंट्री में घुसी कोयला लदी ट्रक बीच सड़क में धंसी,लगा लंबा जाम

♦भारत टाइम्स♦

रामनगर/वाराणसी/ थाना क्षेत्र में पड़ाव- रामनगर पर वाजिदपुर के पास शनिवार को बीच सड़क पर नो एंट्री में घुसी कोयला लदी ट्रक के धंसने से घंटो आवागमन प्रभावित रहा।बाद में पहुंची पुलिस ने किसी तरह से वाहनों को बाईपास रास्ते से पास कराकर जाम हटाने में लगी। इस बीच दूसरी ट्रक में कोयला पलटी कराया गया और भारी जेसीबी लगाकर ट्रक को निकाला गया।बताते हैं कि सड़क चौड़ीकरण में डीवाइडर बनाने के लिए बीच रास्ते स्थान छोड़ा गया है। बरसात के बाद मिट्टी गीली होने के कारण बड़े वाहन ओवर टेक के चक्कर में आए दिन फंस रहे हैं। सड़क चौड़ीकरण अभियान के तहत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क के बीचों बीच खुदाई की गई है। ठीक से नहीं पाटा गया है जिससे सड़क के किनारे जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। थोड़ी सी बारिश हो जाने के कारण गड्ढे दलदल में तब्दील हो गए हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही के चलते इस मार्ग पर प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही है। जिससे क्षेत्रीय लोगों में काफी नाराजगी है। वहां पर एक बड़ी घटना होने से बच गई।

ऑफिस में प्रमोशन ना मिलने पर निराश ना हों करें यह काम

अगर उम्मीद करने के बाद भी आपको प्रमोशन नहीं मिलता तो इसका अर्थ है कि आपको बेहद ईमानदारी के साथ खुद का आकलन करना चाहिए। मसलन, ऐसे कौन से लूपहोल्स हैं, जिनके कारण आपको पदोन्नति नहीं मिली। हो सकता है कि पदोन्नति के लिए आपको अलग-अलग कौशल में स्वयं को निपुण करना होगा।

जब आप किसी ऑफिस में लंबे समय तक काम करते हैं तो एक वक्त के बाद आप प्रमोशन की उम्मीद करते हैं। हो सकता है कि आपको लगे कि अब आपको प्रमोशन मिल जाना चाहिए। इसके लिए आप अप्लाई भी करें, लेकिन आपकी एप्लीकेशन को रिजेक्ट कर दिया जाए तो इससे निराशा होना स्वाभाविक है। यह हताशा धीरे–धीरे आपके काम को भी प्रभावित करने लगती है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप इस हताशा व निराशा के दौर से बाहर निकलकर खुद को आसानी से संभाल सकते हैं–

करें खुद को एक्सप्रेस

मन में अगर हताशा के भावों को अगर दबाने की कोशिश की जाए तो यह उतना ही अधिक आपको परेशान करती हैं। इसलिए अपने भावों को एक्सप्रेस करके मन को हल्का करें। इसके लिए आप अपने पार्टनर, दोस्त या फिर किसी करीबी से अपने दिल की बात करें। इससे आपको काफी लाइट व बेहतर महसूस होगा। साथ ही फीलिंग शेयर करने से आपके मन की नकारात्मकता भी दूर हो जाएगी।

करें खुद का आकलन

अगर उम्मीद करने के बाद भी आपको प्रमोशन नहीं मिलता तो इसका अर्थ है कि आपको बेहद ईमानदारी के साथ खुद का आकलन करना चाहिए। मसलन, ऐसे कौन से लूपहोल्स हैं, जिनके कारण आपको पदोन्नति नहीं मिली। हो सकता है कि पदोन्नति के लिए आपको अलग–अलग कौशल में स्वयं को निपुण करना होगा। इसलिए सबसे पहले खुद के साथ ईमानदारी बरतें। इससे आपको सही जवाब मिल जाएगा।

करें स्विच

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि आप वास्तव में उस पदोन्नति के हकदार थे, लेकिन ऑफिस पॉलिटिक्स या फिर अन्य कारणों के चलते आपको प्रमोशन नहीं दिया गया तो ऐसे में आपको दोबारा विचार करने की आवश्यकता है। यदि आप उस प्रकार के काम से खुश हैं, जो आप कर रहे हैं, लेकिन अधिक पैसा चाहते हैं, तो यह आपके लिए कंपनियों को स्विच करने के लिए अधिक समझदारी हो सकती है।

लें फीडबैक

वहीं, अगर आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि किस कारण से आपकी प्रमोशन की एप्लीकेशन को रिजेक्ट कर दिया गया तो ऐसे में आप स्वयं कंपनी के उच्चाधिकारियों से इस बारे में बात कर सकते हैं। मसलन, आप एक मेल में अपनी खूबियों, अपने वर्क एक्सपीरियंस और सफलताओं के बारे में बताते हुए उन कारणों के बारे में जानने का प्रयास करें, जिसके चलते आपकी एप्लीकेशन को रिजेक्ट कर दिया गया। इस तरह, आपको वास्तविक कारण का पता चलने के बाद यकीनन अपने स्किल्स को डेवलप करने और कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

प्रोफेशनल लाइफ प्रभावित नहीं

अगर आपको पदोन्नति नहीं दी गई है तो हो सकता है कि आपको काफी बुरा लग रहा हो। आपके मन में निराशा के साथ–साथ चिड़चिड़ाहट भी हो। लेकिन आप अपने मन की इस निराशा को कभी भी अपने काम पर हावी ना होने दें। हो सकता है कि आपकी एप्लीकेशन को रिजेक्ट करने के बाद भी उच्चाधिकारी आपकी पदोन्नति पर विचार कर रहे हों। लेकिन अगर आप ऑफिस में सही तरह से कार्य नहीं करेंगे या फिर आपकी नाराजगी का असर आपके काम पर दिखेगा तो इससे आपकी प्रोफेशनल छवि धूमिल होगी। अगर आप अपने कार्य से संतुष्ट नहीं हैं तो भी आप बेहद ईमानदारी से काम करें। साथ ही साथ नई जॉब की तलाश करें।

बच्चों के लिए बारहवीं के बाद इन क्षेत्रों में हैं अपार संभावनाएं

अगर अपने 12वीं मैथ से पास की है तो आपके पास भी कॅरियर के लिए बहुत सारी संभावनाएं उपलब्ध हैं। आप मरीन इंजीनियरिंग, मर्चेंट नेवी, एग्रीकल्चर, इंजीनियरिंग, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक साइंस, एनवायरमेंट साइंस, प्लास्टिक इंजीनियरिंग और गक्ष् में कॅरियर का चुनाव कर सकते हैं। 12वीं पास करने के बाद से ही बच्चों के स्कूली शिक्षा के दिन पूरे हो जाते हैं और उसके बाद वह कॉलेज की तैयारियों में लग जाते हैं। ऐसे में 12वीं पास किए हुए बच्चों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह आगे की पढ़ाई किस फील्ड में करें। हालाँकि, दसवीं के एग्जाम के मार्क्स आने के बाद ही बहुत सारे बच्चे डिसाइड कर लेते हैं कि उन्हें किस स्ट्रीम की पढ़ाई करनी है। मसलन आर्ट लेना है, साइंस की पढ़ाई करनी है या कॉमर्स लेना है।

जहाँ तक देखा गया है कि जिन बच्चों के दसवीं के मार्क्स अच्छे होते हैं वो साइंस स्ट्रीम की तरफ रुख करते हैं। वहीं जिनके मार्क्स कम होते हैं या जो बच्चे पढ़ाई में बहुत ही ज्यादा अच्छे नहीं होते हैं वो आर्ट्स सब्जेक्ट्स को चुनते हैं। हालाँकि आप किसी भी स्ट्रीम से पढ़ाई किये हों लेकिन 12वीं के बाद कॅरियर उपयोगी उच्च शिक्षा को चुनने में दिक्कत सभी के सामने आती ही है। ऐसे में हम यहां आपको बताएंगे कि साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स में कैरियर के क्या ऑप्शन हैं।

बायोलॉजी स्ट्रीम

साइंस में कॅरियर ऑप्शन के बारे में बात करें तो जिन बच्चों की मैथ स्ट्रांग होती है और जिनकी यह चाहत होती है कि उन्हें आगे चलकर इंजीनियरिंग करनी है, वह बच्चे 12वीं की साइंस स्ट्रीम में मैथ का चुनाव करते हैं। जिन बच्चों को लगता है कि वह डॉक्टरी के फील्ड में अपना भविष्य बनाएंगे तो वह बच्चे साइंस स्ट्रीम में बायोलॉजी का चुनाव करते हैं। हालाँकि किसी वजह से अगर बच्चे अपनी पसंदीदा फील्ड में नहीं जा पाते हैं तो उनके सामने कैरियर को लेकर कई समस्याएं खड़ी हो जाते हैं। ऐसे में अगर आपने 12वीं बायोलॉजी से पास किया है तो आप बायोटेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर, फार्मेसी, होम्योपैथिक, डॉक्टर इन आयुर्वेद, बॉटनी, वाइल्ड लाइफ साइंस, पैथोलॉजी, मेडिसिन, वेटनरी साइंस के अलावा टीचिंग और फूड टेक्नोलॉजी में भी कॅरियर बना सकते हैं और कामयाबी हासिल कर सकते हैं।

मैथ्स स्ट्रीम

अगर अपने 12वीं मैथ से पास की है तो आपके पास भी कॅरियर के लिए बहुत सारी संभावनाएं उपलब्ध हैं। आप मरीन इंजीनियरिंग, मर्चेंट नेवी, एग्रीकल्चर, इंजीनियरिंग, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक साइंस, एनवायरमेंट साइंस, प्लास्टिक इंजीनियरिंग और गक्ष् में कॅरियर का चुनाव कर सकते हैं।

आर्ट्स में क्या है संभावना?

अक्सर बच्चों के मन में यह धारणा होती है कि आर्ट्स से पढ़ाई करने के बाद कॅरियर की संभावनाएं बेहद सीमित होती हैं। अगर आप भी ऐसी ही सोच रखते हैं तो इसे बदल लें। हम आपको कुछ ऐसे कॅरियर के विकल्पों के बारे में बताएंगे जो आर्ट्स के स्टूडेंट अपनाते हैं और इसमें बेहतर कमाई के साथ साथ कॅरियर में अच्छी ऊंचाई को भी हासिल करते हैं। इसमें इंटीरियर डेकोरेशन, फैशन इंडस्ट्री, फाइन आर्ट्स, डिजाइनिंग, होटल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, सिविल सर्विसेज के क्षेत्र में स्टूडेंट जा सकते हैं। इसके अलावा फिल्म मेकिंग, टीचिंग और राइटिंग, मास कम्युनिकेशन और जर्नलिजम जैसे क्षेत्र भी आर्ट के स्टूडेंट्स के सामने मौजूद हैं।

कॉमर्स फील्ड में कॅरियर के ऑप्शन

जिन बच्चों का रुझान मैथ और एकाउंटिंग की तरफ होता है वो बच्चे 12वीं में कॉमर्स को चुनते हैं। अगर आपने 12वीं कॉमर्स से की है तो आपके सामने कॅरियर के रूप में कंपनी सैक्रेटरी, बीबीए, अकाउंट, फाइनांस, चार्टर्ड एकाउंटेंट, टैक्स, इकॉनोमिक्स, मैनेजमेंट और बैंकिंग जैसे क्षेत्र उपलब्ध हैं। तो ये हैं वो फिल्ड्स जिनमें आप अपने कॅरियर बना सकते हैं चाहें आप साइंस के स्टूडेंट हों, आर्ट्स के हों या कॉमर्स के। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी फिल्ड का चुनाव करते समय आपको अपनी रूचि का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि किसी के कहने या किसी के देखा–देखी आप किसी क्षेत्र का चुनाव कर लें और बाद में पछतायें।

किस तरह बनाएं एनिमल ट्रेनिंग में कॅरियर

एनिमल ट्रेनर पुलिस फोर्स, एनिमल शेल्टर, चिड़ियाघर, अस्तबल, एक्वेरियम, प्राणी उद्यान, घुड़सवारी क्लब, हॉर्स फार्म, हॉर्स राइडिंग क्लब आदि में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा, आप पशु चिकित्सा अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, पालतू जानवर के स्टोर व रिसर्च फैसिलिटी में भी काम कर सकते हैं। जो लोग एनिमल लवर होते हैं, वह अगर चाहें तो वह ऐसा कार्यक्षेत्र चुन सकते हैं, जिनमें उनका लगभग सारा समय जानवरों के साथ ही बीते। ऐसा ही एक क्षेत्र है एनिमल ट्रेनिंग।

एनिमल ट्रेनिंग वास्तव में काफी रोमांचक क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति सिर्फ जानवरों को ही काफी कुछ नहीं सिखाता, बल्कि उनसे भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि एनिमल ट्रेनिंग में किस तरह बनाएं कॅरियर–

क्या होता है काम

एक एनिमल ट्रेनर का काम काफी चैलेंजिंग व कठिन होता है, जो विभिन्न तरह की तकनीकों को अपनाकर जानवरों को ट्रेन करते हैं। वे जानवरों को किसी विशेष कमांड व स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। साथ ही वह जानवरों को सिक्योरिटी, एंटरटेनमेंट, रेसिंग व दूसरों की मदद के लिए प्रशिक्षित करते हैं। आमतौर पर, एनिमल ट्रेनर कई तरह के ट्रेनर होते हैं, जैसे– पालतू जानवर ट्रेनर, सर्विस एनिमल ट्रेनर, मैरिन मैमेल ट्रेनर, एक्सोटिक एनिमल ट्रेनर, घोड़ा प्रशिक्षक आदि।

योग्यता

एनिमल ट्रेनर बनने के लिए कोई औपचारिक शैक्षिक योग्यता आवश्यक नहीं है, लेकिन व्यक्ति को कम से कम 12वीं पास या कम से कम हाई स्कूल का प्रमाण पत्र होना चाहिए। इसके अलावा समुद्री स्तनधारी ट्रेनर बनने के लिए व्यक्ति को जूलॉजी, जीव विज्ञान, समुद्री जीव विज्ञान, पशु विज्ञान या मनोविज्ञान में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। स्नातक के बाद, आप एनिमल ट्रेनिंग सर्टिफिकेट प्राप्त करके इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं।

व्यक्तिगत विशेषता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को जानवरों से प्यार करना, अपने काम के प्रति जुनून व धैर्य होना बेहद जरूरी है। उन्हें जानवरों को अच्छी तरह हैंडल करना, उन्हें अच्छी तरह पालना व उनका सम्मान करना चाहिए। चूंकि जानवर मुंह से बोलकर अपनी बात नहीं बता सकते, इसलिए एनिमल ट्रेनर के पास अच्छे शिक्षण कौशल होने चाहिए। साथ ही उन्हें जानवरों की गतिविधि व मनोदशा में समझने में सक्षम होना चाहिए। इसी तरह, समुद्री जानवरों के प्रशिक्षण से जुड़े लोगों को तैराकी और डाइविंग तकनीक से परिचित होना चाहिए। इन सब के अलावा उनमें शारीरिक और मानसिक सहनशक्ति अच्छी होनी चाहिए।

कॅरियर विकल्प

एनिमल ट्रेनर पुलिस फोर्स, एनिमल शेल्टर, चिड़ियाघर, अस्तबल, एक्वेरियम, प्राणी उद्यान, घुड़सवारी क्लब, हॉर्स फार्म, हॉर्स राइडिंग क्लब आदि में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा, आप पशु चिकित्सा अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, पालतू जानवर के स्टोर व रिसर्च फैसिलिटी में भी काम कर सकते हैं। वहीं कुछ एनिमल ट्रेनर फीचर फिल्मों या विज्ञापनों के लिए जानवरों के साथ काम करते हैं।

आमदनी

एक एनिमल ट्रेनर का पारिश्रमिक स्थान व पशु के आकार के अनुसार भिन्न होता है। एक डॉग ट्रेनर की तुलना में एक घोड़ा ट्रेनर को बहुत अलग पैमाने पर भुगतान किया जाता है। आप अपने कॅरियर की शुरूआत 10000 रूपए मासिक वेतन से कर सकते हैं। इसके बाद आपके कौशल व अनुभव के आधार पर आपकी आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

- एनिमल रहत, दिल्ली
- कोचीन डॉग ट्रेनिंग एकेडमी व पेट रिसॉर्ट, केरल
- डॉग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मोहाली
- नेशनल ट्रेनिंग सेंटर फॉर डॉग, मध्यप्रदेश
- वुडस्टॉक डॉग ट्रेनिंग स्कूल, चेन्नई

परीक्षा के दौरान एग्जाम स्ट्रेस को कुछ इस तरह करें दूर

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है।

परीक्षा के दिन बच्चों के लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण होते हैं। बच्चे कितना भी चाहें, लेकिन फिर भी वह परीक्षा के स्ट्रेस को खुद से दूर नहीं रख पाते। कुछ बच्चों का तनाव इस हद तक बढ़ जाता है कि वह अपनी पढ़ाई में भी ध्यान केन्द्रति नहीं कर पाते। जिससे उनकी परीक्षाएं प्रभावित होती हैं। कई बार तो यह स्ट्रेस उनके मानसिक ही नहीं, शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि अगर आप बच्चों को परीक्षा के दिनों में स्ट्रेस फ्री रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपना सकते हैं–

सिर्फ पढ़ाई नहीं

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनवा बढ़ता जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप बच्चे से हरदम पढ़ाई की ही बात ना करें, बल्कि उसके साथ थोड़ी देर टहलें या फिर खेलें। अन्य एक्टिवटी करने से बच्चे का मूड फ्रेश होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से परफॉर्म करते हैं।

बनाएं स्टडी प्लॉन

अमूमन माता–पिता बच्चों से सिर्फ पढ़ाई की ही बात करते हैं, जिससे बच्चा परेशान हो जाता है। यकीनन इस समय बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई करने की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप एक स्टडी प्लॉन बनाएं। मसलन, बच्चा पूरे दिन में कितनी देर पढ़ाई करेगा और उसके कितनी देर का ब्रेक लेना है। एक बार में वह कितने पार्ट को कवर करेगा, इन सब की प्लानिंग पहले ही कर लें। इस तरह जब आप पहले से ही सारी प्लानिंग कर लेंगी तो इससे बच्चों का भी तनाव कम होगा।

खान–पान

परीक्षा के दिनों में बच्चों का खान–पान भी काफी अहम्होता है। इस दौरान बच्चों को अतिरिक्त भूख लगती है। लेकिन आप बच्चों को हैवी या तला हुआ फूड खिलाने की जगह थोड़ी–थोड़ी देर में कुछ ना कुछ खाने को दें। साथ ही लिथ्विड की मात्रा अधिक रखें और उसे हेल्दी स्नैक्स जैसे रोस्टेड बादाम या मखाना आदि दें। यह बच्चे को लंबे समय तक फुल रखेंगे और उनका एनर्जी लेवल बनाए रखेंगे। इतना ही नहीं, उनका संतुलित खान–पान बच्चों के तनाव को दूर करता है।

करें रिलैक्स

अगर बच्चा पढ़ाई को लेकर अतिरिक्त तनाव में है तो आप उनके साथ मिलकर कुछ रिलैक्सेशन एक्टिवटी कर सकते हैं। जैसे डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन, करें। इसके अलावा आप कुछ देर उन्हें जो पसंद हो, वह जरूर करने दें। भले ही वह म्यूजिक सुनना हो या फिर कोई गेम खेलना। दरअसल, इस तरह की एक्टिविटी बच्चे के लिए स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है।

आभा आईडी से 1 करोड़ टोकन जेनरेट करने वाला भारत का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

- प्रदेश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रति लोगों में जागरूकता और सक्रिय भागीदारी के लिए योगी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का असर
- आभा आईडी के माध्यम से एक करोड़ टोकन जेनरेट कर उत्तर प्रदेश ने बनाया एक और कीर्तिमान, आसपास भी नहीं है कोई दूसरा राज्य
- 60 लाख टोकन जेनरेशन के साथ दूसरे स्थान पर है आंध्र प्रदेश तो 42 लाख से ज्यादा टोकन बनाने वाला कर्नाटक तीसरे स्थान पर

लखनऊ। हेल्थ सेक्टर में लगातार कीर्तिमान बना रहे उत्तर प्रदेश ने अब एक और उपलब्धि अपने नाम की है। प्रदेश ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) आईडी के माध्यम से एक करोड़ टोकन जेनरेट करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इतनी बड़ी संख्या में टोकन जेनरेट करने वाला उत्तर प्रदेश भारत का पहला और एकमात्र राज्य है। उत्तर प्रदेश ने अब तक कुल एक करोड़ 43 टोकन जेनरेट किए हैं। टोकन जेनरेशन के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश का स्थान आता है, जिसने 60 लाख 33 हजार 104 टोकन जेनरेट किए हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर कर्नाटक है, जिसने कुल 42 लाख 57 हजार 944 टोकन जेनरेट किए हैं। इस क्रम में जम्मू और कश्मीर (38,87,226), दिल्ली (22,28,079), बिहार (15,65,332), मध्य प्रदेश (12,53,722), महाराष्ट्र (7,96,938), छत्तीसगढ़ (7,34,781), ओडिशा (5,06,580) और गुजरात (3,83,789) जैसे राज्यों का स्थान आता है। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश ने आभा आधारित ओपीडी रजिस्ट्रेशन में 80 लाख के आंकड़े को पार कर भी नया रिकार्ड बनाया था। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश ने 10 करोड़ आभा आईडी बनाने का भी कीर्तिमान बनाया था। आभा टोकन जेनरेशन और आईडी बनाने की यह उपलब्धियां सीएम योगी द्वारा प्रदेश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रति लोगों में जागरूकता और सक्रिय भागीदारी के लिए किए गए प्रभावी प्रयासों का नतीजा है।

आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की पहल है। यह आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत शुरू किया गया एक स्वास्थ्य बचत खाता है। इसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को उनकी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। आभा आईडी नागरिक के आधार या मोबाइल नंबर से जुड़ी एक अद्वितीय 14 अंकों की पहचान संख्या है। यह उन्हें सभी सूचनाओं को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने और उन तक पहुंचने में मदद करता है। इसमें उनकी हेल्थ हिस्ट्री, परामर्श विवरण, मेडिकल रिकॉर्ड और नुस्खे शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान, छात्रों को सर्टिफिकेट, टैबलेट और एक लाख रुपए प्रदान किए

कोई छात्र स्कूल से वंचित न रहे, ये देश की सबसे बड़ी सेवा होगी: सीएम योगी

- सीएम ने ड्रेस, जूता-मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग खरीद के लिए प्रति छात्र 1200 रुपए की धनराशि अभिभावक के खाते में डीबीटी से अंतरण प्रक्रिया का भी किया शुभारंभ
- सीएम योगी ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया, बच्चों को सफलता का मंत्र भी बताया
- शिक्षित करना सबसे पवित्र कार्य, आपका आचरण एक शासकीय अधिकारी की तरह नहीं, बल्कि समाज के एक मार्गदर्शक के रूप में होना चाहिए: सीएम योगी
- हमारे विद्यालय इनोवेशन और रिसर्च के नए सेंटर के रूप में स्थापित हों, छात्र-छात्राओं में कठिन से कठिन चुनौतियों से जूझने का जज्बा हो इसके लिए खुद को तैयार करें: मुख्यमंत्री
- किसी भी फील्ड में जाना हो परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता, जीवन में शॉर्टकट का रास्ता अपनाने वाला व्यक्ति कभी भी अपनी मंजिल प्राप्त नहीं कर सकता: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मेधावी छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही सीएम योगी ने ड्रेस, जूता-मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग की खरीद के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपए की धनराशि उनके माता/पिता/अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरण प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि कोई छात्र स्कूल से वंचित न रह जाए। हम अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें, ये देश की सबसे बड़ी सेवा है। श्रीमद्भगवतगीता में तो किसी को शिक्षित करना सबसे पवित्र कार्य माना गया है। उन्होंने शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों और अधिकारियों से कहा कि आप उस पवित्र कार्य से जुड़े हुए है। आपका आचरण एक शासकीय अधिकारी की तरह नहीं, बल्कि समाज के एक मार्गदर्शक के रूप में, एक शिक्षक के रूप में होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि हमारे विद्यालय इनोवेशन और रिसर्च के नए सेंटर के रूप में स्थापित हों, हमारे छात्र-छात्राओं के अंदर कठिन से कठिन चुनौतियों से जूझने का जज्बा हो, इसके लिए हम अपने आपको तैयार करें।

नई पीढ़ी के लिए रोल मॉडल हैं मेधावी छात्र

मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के बाद सीएम योगी ने कहा कि सचमुच एक गुरु के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि जिसको उन्होंने गाइड किया वो देश में, प्रदेश में, जनपद में उच्च स्थान प्राप्त कर उन्हें गौरवान्वित कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए नई पीढ़ी के सामने उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं कि अगर वो भी ऐसे ही परिश्रम करेंगे तो उन्हें भी सम्मान प्राप्त होगा। सीएम योगी ने छात्र-छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में किसी भी फील्ड में जाना हो याद रखना परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। जीवन में शॉर्टकट का रास्ता अपनाने वाला व्यक्ति कभी भी अपनी मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकता। इसलिए जीवन में जितना कठिन परिश्रम कर सकते हैं, करना चाहिए। जिन छात्रों ने कठिन परिश्रम किया, मेरिट में उनका नाम आया। सफलता हमें ये भी बताती है कि हमने मंजिल पा ली है, हमारी दिशा सही है, हमें दिशा भ्रम में नहीं पड़ना है।

मेधावी छात्रों के नाम पर रखा जाएगा सड़क का नाम

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन नई दिल्ली और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से जुड़े छात्र-छात्राओं को यहां सम्मानित किया गया है। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की मेरिट में जगह बनाने वाले कुल छात्र-छात्राओं की संख्या 170 है, जिनमें छात्र 58 हैं और छात्राएं 112 हैं। ये सफलता बताती है कि बेटियों ने लंबी छलांग मारी है और बेटी पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा की हाईस्कूल परीक्षा की मेरिट सूची में कुल 17 में 4 छात्र हैं और 13 छात्राएं हैं। इंटरमीडिएट की मेरिट लिस्ट में कुल 36 में से 14 छात्र हैं और 22 छात्राएं हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की हाईस्कूल परीक्षा की मेरिट लिस्ट में कुल 11 में से 2 छात्र एवं 9 छात्राएं सम्मिलित हैं।

पीएम सूर्य घर योजना' को बढ़ावा देने के लिए अयोध्या, वाराणसी व गोरखपुर में चलेगा बड़ा अभियान

- दो महीने तक तीनों जिलों में वृहद जागरूकता अभियान का होगा संचालन, 2 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय से कार्यों को किया जाएगा पूर्ण
- सीएम योगी के विजन अनुसार यूपीनेडा ने तैयारियां की शुरू, अभियान के संचालन के लिए विस्तृत कार्ययोजना को किया गया क्रियान्वित
- मीडिया माध्यमों समेत विभिन्न प्रक्रियाओं के जरिए 'पीएम सूर्य घर रूफ टॉप सोलर योजना' को प्रचारित-प्रसारित करने की प्रक्रिया की जाएगी पूरी
- अभियान के कुशल संचालन के लिए बाकायदा एक फर्म के चयन और कायार्वंटन की प्रक्रिया यूपीनेडा द्वारा की गई शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी बड़े स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए यूं तो कई कार्यक्रम व विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है, मगर अयोध्या, वाराणसी व गोरखपुर में 'पीएम सूर्य घर रूफटॉप सोलर योजना' के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान का संचालन किया जाएगा। यह जागरूकता अभियान इन्टीग्रेटेड मार्केटिंग कम्यूनिकेशंस (आईएमसी) मॉड्यूल पर बेस्ड होगी। इस कार्य को पूर्ण करने के लिए सीएम योगी के विजन अनुसार जो कार्ययोजना तैयार की गई है उस पर उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने कार्य शुरू कर दिया है। इस 2 महीने चलने वाले वृहद अभियान के उचित संचालन के लिए 2 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी और इस कार्य को पूर्ण करने के लिए बाकायदा एक फर्म को इम्पैनल किया जाएगा, जिसकी नियुक्ति व कायार्वंटन की प्रक्रिया यूपीनेडा द्वारा शुरू कर दी है।

व्यापक जन जागरूकता के प्रसार को किया जाएगा लक्षित

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) जन जागरूकता बढ़ाकर प्रदेश के प्रमुख शहरों अयोध्या, वाराणसी और गोरखपुर में प्रधानमंत्री सूर्य घर रूफटॉप सोलर योजना की स्वीकार्यता में बढ़ावा और योजना के अंतर्गत लाभान्वितों की संख्या में तेजी लाना चाहती है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए तथा जनता तक पहुंच बढ़ाने के लिए आईएमसी गतिविधियों को बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा। इसमें बैनर प्रदर्शित करना, रणनीतिक स्थानों पर बिलबोर्ड लगाना, बूथ कैंप लगाना, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और गतिविधियों के साथ-साथ पैम्फलेट वितरण जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

रणनीतिक रूप से प्रमुख स्थानों पर बैनर-पोस्टर बिलबोर्ड होंगे प्रदर्शित

यूपीनेडा द्वारा अयोध्या, गोरखपुर और वाराणसी में रेडियो और समाचार पत्रों में विज्ञापन देने के साथ ही अन्य कई माध्यमों से प्रचार-प्रसार को लक्षित किया जा रहा है। इस क्रम में, विकास भवन, डिस्कॉम बिलिंग ऑफिस, डिविजनल ऑफिस व सब स्टेशन, नगर निगम समेत ज्यादा फुटफॉल वाले रणनीतिक रूप से प्रमुख स्थानों पर बैनर, स्टैंडीज, बिलबोर्ड और बूथ कैंप लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 150 ऑटो रिक्शा व 150 ई-रिक्शा व व्हीकल्स के बैकसाइड को कवर किया जाएगा। वहीं, अयोध्या में 4, गोरखपुर में 4 व वाराणसी में 2 वेंडर ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का आयोजन किया जाएगा।

10 सूर्य रथ के जरिए प्रसार पर फोकस, ह्यसोलर मेलाह्ल भी बनेगा माध्यम

चैंबर ऑफ कॉमर्स, बार एसोसिएशन, रेड क्रॉस व सीए सोसाइटीज में कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी। वहीं, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), अयोध्या यूनिवर्सिटी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी तथा अन्य प्रसिद्ध कॉलेजों व स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा प्रोफेसर्स, टीचर्स, स्टाफ व स्टूडेंट्स का सहयोग लिया जाएगा। वहीं, अयोध्या में 3, गोरखपुर में 4 तथा वाराणसी में सोलर एनर्जी इनेबल्ड मोबाइल व्हीकल (सूर्य रथ) को शहर के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा। जरूरत के अनुसार इनके जरिए जरिए डोर टू डोर कैंपेन जैसी प्रक्रियाओं को भी पूर्ण किया जा सकता है। वहीं, तीनों चिह्नित शहरों में सोलर मेला का भी आयोजन किया जाएगा जिसके जरिए केंद्र व राज्य की सौर व अन्य स्वच्छ ऊजाओं को बढ़ावा देने वाली योजनाओं से आम जनता को अवगत कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अयोध्या और वाराणसी को पहले से ही सोलर सिटी के तौर पर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है, ऐसे में व्यापक अभियान के जरिए अब गोरखपुर में भी सोलर ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और व्यापक प्रचार-प्रसार का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

सद्भावना समिति ने किया राधेश्याम मौरे का सम्मान

♦भारत टाइम्स♦
संवाददाता महेश मरेठा

मल्हारगढ़ नगर परिषद के लोकप्रिय ईमानदार निष्ठावान कर्मचारी राधेश्याम मौरे की सेवानिवृत्ति के अवसर पर सद्भावना समिति की ओर से सदस्य हेमंत गुप्ता जिला भाजपा महामंत्री पंडित राजेश दीक्षितप्रेस क्लब अध्यक्ष अशोक कुमार दक चंद्रमणि संपादक राधेश्याम बैरागी प्रेस क्लब संरक्षक मोहन सेन कछावा प्रकाश माली सूरजमल राठौर लियाकत भाई मेंव पार्षद दिलीप तिवारी विधायक प्रतिनिधि रमेश चंद्र विजयवर्गीय

सभापति खुमान सिंह सोलंकी पार्षद दिलीप तिवारी डॉ योगेश कच्छावा मांगीलाल भाना अनिल कुमार यति विजेश मालेचा ने श्री मौरे की सेवानिवृत्ति के अवसर पर शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की

तेज अंधड़ और बारिश के बाद दर्जनों ढ़ाणियां अंधेरे के छायें में

♦भारत टाइम्स♦
शिव खेत सिंह राजपुरोहित।

भियाड़ क्षेत्र के रतकुडिया गांव की दर्जियों की ढ़ाणी में पिछले तीन दिन से आई तेज आंधी और बारिश के बाद बिजली के पोल गिर गए।इसको लेकर कई बार अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद पोल भी खड़े नहीं हुए।तेज गर्मी और उमस ने लोगो का हाल बेहाल हो रहा है। इससे पहले आई तेज आंधी में भी बिजली के पोल गिर गये जो भी तीन चार दिन बीतने के बाद लगे। अब फिर वही हाल ग्रामीणों ने बताया कोई भी सुनने वाला नहीं।

Rain and me

Rain, oh rain, you bring us pain,
Washing away joy, like tears in vain.
But in your drops, a symbol lies,
Of hope and renewal, in the skies.

Like a veil, you hide the sun's warm face,
But in your touch, a gentle embrace.
You quench the earth's thirst, and revive,
Like a heartbeat, life begins to thrive.

Your rhythm beats, a soothing sound,
Like a lullaby, all worries drown.
In your waters, a mirror's gaze,
Reflects the soul, in all its phases.

So let the rain, wash over us,
And in its touch, may we find peace, and trust.

Jeetal Shah

www.bharattimesnews.com

भारत टाइम्स

दिल्ली, रविवार 30 जून 2023

पलायन नहीं, परिश्रम और संघर्ष का मार्ग है संन्यास : योगी

- प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का मुख्यमंत्री ने बेबाकी से दिया उत्तर
- इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित
- बोले योगी, संन्यास की सार्थकता को साबित करने के लिए जनता के हित में करता हूं 16-18 घंटे काम
- बच्चों से बोले सीएम, मैं भी बचपन में इंजीनियर बनने की सोचता था
- जितने शुभचिंतक हैं, उतने ही दुश्मन भी होने चाहिए : योगी
- सज्जनों के साथ खड़ा रहता हूं तो दुष्टों के त्राण के लिए कदम भी उठाता हूं : मुख्यमंत्री

♦भारत टाइम्स♦

लखनऊ। संन्यास लेने पर शुरू-शुरू में लोग मुझे टोकते थे। आज मैं उन लोगों को देखता हूं तो पाता हूं कि कोई संतुष्ट नहीं है। भौतिक उपलब्धि व्यक्ति को कभी संतुष्ट नहीं कर सकती। ये ठीक है कि मैं आज मुख्यमंत्री हूं। मगर मैंने संन्यास लिया, ये पलायन का नहीं परिश्रम और संघर्ष का मार्ग है। आज भी 16-18 घंटे काम करता हूं, इसलिए नहीं कि कोई पद या प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, बल्कि इसलिए क्योंकि ये मेरा कतर्व्य है। मैं अपने संन्यास की सार्थकता को साबित कर सकूं। भारत की ऋषि परंपरा ने संन्यास की जो व्यवस्था बनाई है वो व्यवस्था सही है, इसे साबित कर सकूं। आज मैं भगवान श्रीकृष्ण के सिद्धांतों पर चलते हुए सज्जनों के साथ खड़ा रहता हूं और दुष्टों के त्राण के लिए कदम भी उठाता हूं। ये बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की ओर से आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में छात्र-छात्राओं के विभिन्न रोचक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कही।

पीड़ितों के साथ खड़े रहना ही मेरे जीवन की सार्थकता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्र-छात्राओं की ओर से पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि संन्यास का फैसला लेना उनके और उनके माता-पिता के लिए चुनौती थी। कोई अभिभावक नहीं चाहता कि उसका बच्चा सन्यासी बन जाए। अभिभावक रिटर्न चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बचपन में वह भी वही सोचते थे, जो आज के बच्चे सोचते हैं। वह चाहते थे कि एक अच्छा इंजीनियर बनें। बाद में अहसास हुआ कि कोई इंजीनियर या पद प्राप्त करने से अच्छा है कि पीड़ितों के साथ खड़ा रहूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही मेरे जीवन की सार्थकता है।

परिश्रम का कोई विकल्प नहीं

उन्होंने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। जितना परिश्रम करेंगे उसका परिणाम हमारे पक्ष में जरूर आएगा। कहा कि किसी कार्य में अगर बाधाएं नहीं हैं तो मानकर चलिए कि आपकी दिशा ठीक नहीं। जितने शुभचिंतक हैं उतने ही दुश्मन भी होने चाहिए। तब जो सफलता मिलती है उसका आनंद भी अलग होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर छात्र छात्रा को प्रधानमंत्री मोदी की किताब एग्जाम वारियर्स जरूर पढ़ना चाहिए।

पॉलिटिक्स फुल टाइम जॉब नहीं, हर क्षेत्र के विशेषज्ञों को आना होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास के लिए एक टीम की जरूरत होती है, जो बिना रुके, बिना झुके लगातार आगे बढ़े। यकीन है कि मेरी युवा पीढ़ी इसके लिए तैयार है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को राजनीति में अपना आदर्श बताते हुए कहा कि पॉलिटिक्स फुल टाइम जॉब नहीं है। राजनीति में अलग-अलग फील्ड से जुड़े विशेषज्ञों को आना चाहिए। इसमें अच्छे शिक्षाविद, अच्छे पत्रकार, अच्छे चिकित्सक, किसान सबको योगदान देना होगा। जब ऐसे लोग राजनीति में आएंगे तो स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा आगे बढ़ेगी। केवल इसलिए कि हम राजनीति में आ जाएं और जाति, परिवार क्षेत्र के नाम पर विभाजन करके सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करें तो देश के साथ इससे बड़ी गद्दारी कुछ और नहीं हो सकती।

पद और प्रतिष्ठा हमारे पीछे आए, हमें इतना परिश्रम करना होगा

उन्होंने कहा कि ये जानते हुए कि भारत की सबसे बड़ी कमजोरी यही जाति वैमनस्यता थी, क्योंकि क्या नहीं था भारत के पास। बल, वैभव, विद्या सबकुछ था यहां। दुनिया में तूती बोलती थी भारत की, लेकिन जाति वैमनस्यता ने इतनी गहरी खाई को चौड़ा किया कि चंद विदेशी आक्रांता आए और हमपर शासन करने लगे। सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का जो काम इतिहास में किया गया, आज वही काम ये जातिवादी और वंशवादी नेता कर रहे हैं। सीएम ने छात्र-छात्राओं को सलाह दी कि वे अच्छे अधिवक्ता, इंजीनियर, डॉक्टर, अधिकारी बनें और आपकी वहां की अच्छाई की चमक आपको स्वतः राजनीति में आने के लिए प्रेरित कर सकती है। राजनीति खुद आपकी डिमांड करेगी। आपको उसके पीछे नहीं जाना होगा। राजनीति, पद प्रतिष्ठा हमारे पीछे आएगी, हमें इतना परिश्रम करना होगा।

बालिकाएं तनाव में कम रहती हैं

सीएम योगी ने कहा कि जब आप कक्षा में मेरिट में स्थान प्राप्त करते हैं तो ये प्रत्यक्ष रूप से ये आपका परिश्रम है, मगर इसके पीछे, आपके विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण और परिजनों का भी परिश्रम शामिल है। हर प्रकार के सार्थक प्रयास जब सामूहिक रूप से आगे बढ़ते हैं तो हमें अच्छे परिणाम भी देखने को मिलते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें 2047 में पीएम मोदी की मंशा के अनुरूप एक विकसित भारत बनाना है। यह तभी संभव होगा जब हम एक अच्छा नागरिक बनेंगे और सामूहिक प्रयास से आगे बढ़ेंगे। मेधावी छात्र-छात्राओं को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यहां छात्राओं की संख्या बहुत अधिक है। बालिकाओं ने बोर्ड की परीक्षा में ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। ये बताता है कि बालिकाएं तनाव में कम रहती हैं और मेहनत ज्यादा करती हैं।

मुख्यमंत्री से प्रश्न पूछने वाले छात्र-छात्राओं में कृष्णा तिवारी, सोनम पाठक, इशान पचौरी, शांभवी द्विवेदी और कृष्णा शामिल रहे। इस अवसर पर सीएम योगी ने विभिन्न परीक्षाओं में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्रीगण गुलाब देवी, कपिल देव अग्रवाल, दयाशंकर सिंह, संदीप सिंह के अलावा वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रपाठी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अभिभावक और पत्रकार मौजूद रहे।

गुस्से से प्रीति का हो जाता है नाश

-महातपस्वी का महा परिश्रम, पथ में परिवर्तन से करीब 35-40 कि.मी. दूरी की हुई वृद्धि
-11 कि.मी. का विहार, शेवाळी में स्थित छत्रपति शिवाजी प्राथमिक विद्या मंदिर में पधारे शांतिदूत
-शेवाळीवासियों ने किया भावभीना स्वागत, प्राप्त किया पावन आशीर्वाद
-आचार्यश्री ने जनता को गुस्से पर नियंत्रण रखने दी पावन प्रेरणा

♦भारत टाइम्स♦

शेवाळी, धुळे (महाराष्ट्र) :

जन-जन का कल्याण करने वाले, जन-जन पर आशीष बरसाने वाले जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने श्रद्धालुओं की भावनाओं को पूर्ण करने के लिए अपने निर्धारित यात्रा पथ में परिवर्तन कर चुके हैं। महाराष्ट्र के पिंपलनेर गांव की स्पर्शना के लिए आचार्यश्री के यात्रापथ में परिवर्तन के कारण सूरत तक पहुंचने के निर्धारित दूरी में लगभग 35-40 किलोमीटर की दूरी भी बढ़ गयी है। इसके लिए गत तीन दिनों से प्रातः और सायंकाल दोनों समय महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी महाश्रम कर रहे हैं।

भक्तों की भावनाओं को साकार करने वाले जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी ने शनिवार को प्रातः अक्कलपाडा से मंगल प्रस्थान किया। अक्कलपाड़ा में पन्जारा नदी के नीचले हिस्से में स्थित गांव में बांध भी बना हुआ है। आचार्यश्री बांध मार्ग से पधार रहे थे। बरसात और बांध के कारण वातावरण का दृश्य मनोरम बना हुआ था। लोगों को आशीष प्रदान करते हुए महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी लगभग ग्यारह किलोमीटर का विहार कर शेवाळी में स्थित छत्रपति शिवाजी प्राथमिक विद्या मंदिर में पधारे। विद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षकों तथा ग्रामीण जनों ने आचार्यश्री का भावभीना स्वागत किया।

छत्रपति शिवाजी माध्यमिक विद्यालय के हिस्से की ओर आयोजित मंगल प्रवचन कार्यक्रम में उपस्थित जनता को महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी ने मंगल देशना देते हुए कहा कि आदमी के भीतर अनेक वृत्तियां होती हैं। अपनी वृत्तियों के कारण कभी अच्छा, सभ्य और नेक लगता है तो अपराधी, चोर भी नजर आता है। सद्वृत्तियों के प्रभाव से आदमी अच्छा तथा असत्वृत्तियों के प्रभाव से आदमी बुरा नजर आता है।

मानव की एक असत वृत्ति है-गुस्सा। आदमी को पहले मन में गुस्सा आता है। मन में गुस्सा आने के बाद आदमी वाणी से अनाप-सनाप बोलने लगता है। इस प्रकार गुस्सा मन से होते हुए वाणी में आ जाता है और फिर कभी कोई गुस्से के वशीभूत होकर मारपीट कर तो गुस्सा शरीर के साथ भी आ जाता है। इस प्रकार गुस्सा मन, वचन और काया तीनों में सफल हो जाता है। आदमी को अपने गुस्से को विफल करने का प्रयास करना चाहिए। आदमी अपने गुस्से पर नियंत्रण कर ले तो उसके जीवन में शांति और प्रेम का विकास हो सकता है। गुस्सा प्रीति का नाश करने वाला होता है।

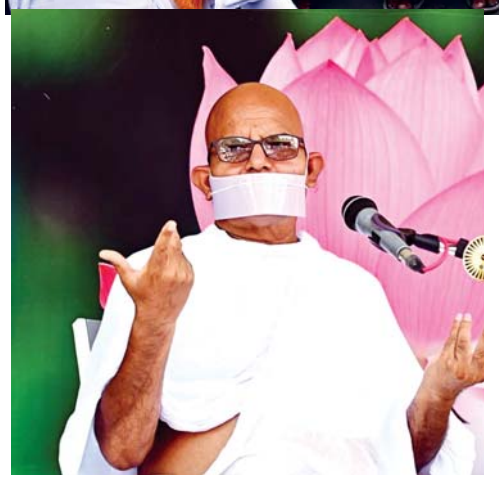

इसलिए आदमी को अपने जीवन में गुस्से को क्षीण करने के लिए शांति, स्नेह के पथ पर अग्रसर होना चाहिए। आदमी अपने गुस्से पर नियंत्रण कर ले तो उसके भीतर प्रेम व प्रीति सदैव बरकरार रह सकेगी। आदमी को इस जीवन में परस्पर सहयोगी बनने का प्रयास करना चाहिए। सूत्र में कहा गया है-परस्परोपग्रहो जीवनाम्। आदमी को परस्पर सहयोग करने की भावना रखने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार आदमी अपने गुस्से को कृष अथवा क्षीण करने का प्रयास करे। आचार्यश्री ने शेवाळी के ग्रामीणों को पावन आशीर्वाद प्रदान किया।

आचार्यश्री के स्वागत में ब्रह्माकुमारी कविता दीदी, माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुनीता आस्मां नाईक, सरपंच श्री प्रदीप नायरे व श्री सुरेश सोलंकी ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी।

शराबी ने ई-मित्र संचालक के साथ मारपीट और कंप्यूटर में की तोड़फोड़

♦भारत टाइम्स♦

शिव खेत सिंह राजपुरोहित।

शिव उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कानासर में पटवार भवन के पास ई मित्र संचालक मोहनलाल बामणिया की दुकान पर एक युवक शराब पीकर आया किशनाराम/रेवताराम मेगवाल ने ई मित्र संचालक के साथ मारपीट की और दुकान पर जो मशीनें थी उसको तोड़ दी और कंप्यूटर भी पत्थर से तोड़ दिया ई मित्र संचालक ने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच शुरू की। मोहनलाल बामणिया ई मित्र संचालक ने बताया कि लाखो रुपए का हुआ नुकसान और चार दिन से दुकान बंद रहने से कई लोगों का काम पड़ा है पेंडिग।

सड़क पर बैठे सरदार जी,आओ भाई जूते-चप्पल मुफ्त में पॉलिश करा लो

बूट पॉलिश कर वोटिंग के लिए अवेयर करते सरदार पतविंदर सिंह।
35 वर्षों से सड़क पर लगातार निष्काम सामाजिक जन जागरूकता का कार्य।

♦भारत टाइम्स♦

प्रयागराज /नेक काम की शुरूआत के लिए कोई मुहूर्त नहीं होता ऐसी कोई सोच दिमाग में आती भी नहीं कि हम जो करने जा रहे हैं उसे देखकर लोग पागल कहने से भी नहीं चूकेगे बस जुनून होना चाहिए यह सज्जन (सरदार पतविंदर सिंह)इसकी जीती जागती मिसाल है चाहते हैं कि लोकतंत्र के हर स्तर के चुनाव की वोटिंग परसेंटेज अच्छी हो मतदाता अपनी जिम्मेदारी को महसूस करें और वोट डालने के लिए घरों से निकले भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह कभी नंगे पांव चलते नजर आ जाते हैं, तो कभी दीवारों पर मैसेज लिखते हुए, कभी पंपलेट बांटते हुए,कभी गधे पर बैठे,मतदाताओं के मध्य बूट पॉलिश करते, हाथों में चरण पादुका लेकर युवाओं से कहते हैं कदम बढ़ाओ बूथ की ओर,मकसद सिर्फ मतदाताओं को जागरूक बनाना ताकि वह वोटिंग की जिम्मेदारी को पूरी करने के लिए घरों से निकले '

एक अच्छी शुरूआत है कभी भी और कहीं से भी की जा सकती है बस मन में कुछ अच्छा और बेहतर करने की ललक होनी चाहिए नैनी-प्रयागराज के रहने वाले पिछले 35 वर्षों से सोशल एक्टिविटीज/भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह का ज्यादातर टाइम वोटर्स को अवेयरनेस करने में जाता है। सरदार पतविंदर सिंह कभी भी-कहीं भी पहुंच जाते और मतदाताओं को अवेयर करने वाला पोस्टर,बैनर लगाकर बैठा देखा जा सकता है बूट पॉलिश करने लगते साथ ही मतदाताओं को आवाज लगाते हुए बिल्कुल शर्म महसूस नहीं करते कि आओ भाई जूते-चप्पल मुफ्त में पॉलिश करा लो पैसा देने के बदले संकल्प लो कि इस बार अपना वोट (मतदान)जरूर करेंगे सरदार पतविंदर सिंह को ऐसा करते देखने वाले भी दंग हो जाते है।